दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 153/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 29 दिसंबर 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

मन की बात का 117वां एपिसोड

महाकुंभ का संदेश- गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल के आखिरी रविवार को 117वीं बार मन की बात की। पीएम ने संविधान दिवस और महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब हम कुंभ में भाग लें, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लें। कम शब्दों में कहूंगा कि महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश, महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश। दूसरे शब्दों में कहें तो गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा।

पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल नेविगेशन की मदद से श्रद्धालु महाकुंभ 2025 में विभिन्न घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच सकेंगे। यही नेविगेशन सिस्टम पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में भी मदद करेगा। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के जरिये कुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। इस चैटबॉट से संदेश भेजकर कोई भी कैसी भी मदद मांग सकता है। पूरे मेला क्षेत्र को एआई संचालित कैमरों से कवर किया जा रहा है।

पीएम ने वेव्स समिट, कालाहांडी की सब्जी क्रांति, बस्तर ओलिंपिक और कुरुक्षेत्र के मलेरिया रोकथाम के प्रयासों के बारे में भी बात की। ये इस साल 9वां और आखिरी एपिसोड था। लोकसभा चुनाव के कारण मार्च, अप्रैल और मई में एपिसोड टेलीकास्ट नहीं हुए थे।

संविधान दिवस पर - 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टिविटी शुरू हुई हैं। नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए constitutionlz.com नाम से वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं। अलग-अलग भाषाओं में संविधान पढ़ सकते हैं, संविधान के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

WAVES समिट पर: अगले साल देश में पहली बार वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट यानी वेव्स समिट का आयोजन होने वाला है। आपने दावोस के बारे में सुना होगा जहां दुनिया के अर्थजगत के महारथी जुटते हैं। उसी तरह वेव्स समिट में दुनिया भर से मीडिया और मनोरंजन जगत के लोग भारत आएंगे। यह समिट भारत को ग्लोबल कंटेंट क्रिएशन का हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा-कृष, तृष और बाल्टीबॉय की चर्चा कर रहा हूं। आपको शायद पता होगा कि ये बच्चों की पसंदीदा एनिमेशन सीरीज हैं और इसका नाम हैचज्ञक्र भारत हैं हम। ये तीनों हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायक-नायिकाओं के बारे में बताते हैं जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। इसका दूसरा सीजन खास अंदाज में गोवा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च हुआ।

कालाहांडी सब्जी क्रांतिः मैं ओडिशा के कालाहांडी में हुई सब्जी क्रांति की बात करना चाहता हूं, जहां कभी किसान पलायन को मजबूर थे, आज वहां गोलामुंडा ब्लॉक सब्जी का हब बन गया है। इसकी शुरुआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई थी। इस समूह ने मिलकर किसान उत्पाद संघ बनाया। आज इससे 200 से ज्यादा किसान जुड़े हैं, जिनमें 45 महिलाएं हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

10 अधिकारी हैं पात्र, रेड्डी और गुप्ता दौड़ में सबसे आगे, जनवरी में रिटायर हो रहे हैं वर्तमान डीएसपी राव

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने नए पुलिस महानिदेशक (DGP) के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौजूदा DGP चौधरी द्वारका तिरुमाला राव (IPS: 1989) जनवरी, 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। राव को विस्तार मिलने की संभावना नहीं है, जिन्हें 20 जून, 2024 को राज्य पुलिस प्रमुख नियुक्त किया गया था।

इस पद के लिए डीजी रैंक के 10 अधिकारी पात्र हैं, जिनमें मदिरेड्डी प्रताप (IPS: 1991) और हरीश कुमार गुप्ता (IPS: 1992), सतर्कता और प्रवर्तन महानिदेशक, सबसे आगे हैं।

अन्य अधिकारियों में पीएसआर अंजनेयुलु (IPS:1992) शामिल हैं, जो निलंबित हैं, जबकि पूर्व DGP कासि रेड्डी राजेंद्रनाथ रेड्डी (IPS: 1992) भारत के चुनाव आयोग की अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। अन्य संभावित दावेदार अंजनी कुमार (IPS: 1990) हैं, जबकि नलिन प्रभात (IPS: 1992), डॉ. महेश दीक्षित (IPS: 1993) और अमित गर्ग (IPS: 1993) वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

गुलमर्ग में बर्फ में फंसे पर्यटकों के लिए देवदूत बनी भारतीय सेना, 68 लोगों को सुरक्षित निकाला...

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी के बीच भारतीय सेना ने मानवीयता और वीरता का परिचय देते हुए 68 पर्यटकों को सुरक्षित बचाया। सेना की चिनार कोर ने इस अभियान को अंजाम दिया, जिसमें 30 महिलाएं, 30 पुरुष और 8 बच्चे शामिल थे। ये पर्यटक गुलमर्ग और तंगमार्ग के बीच भारी बर्फबारी के कारण फंस गए थे।

बता दें कि सेना को सिविल प्रशासन से कॉल मिली थी, जिसमें पर्यटकों के फंसे होने की सूचना दी गई। तुरंत कार्रवाई करते हुए चिनार वॉरियर्स की टीम ने मौके पर पहुंचकर पर्यटकों को सुरक्षित निकाला।

सभी 68 लोगों को गर्म खाना, दवाइयां और शेल्टर मुहैया कराया गया। चिनार कोर ने कुलगाम के मुनाद गांव से एक गर्भवती महिला के लिए संकट कॉल का भी जवाब दिया। भारी बर्फबारी के बावजूद बचाव दल समय पर पहुंचा और महिला को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करते हुए यारीपोरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल फंसे हुए 68 लोगों को बचाया बल्कि 137 अन्य पर्यटकों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। उन्हें ठंड से बचने के लिए गर्म खाना और शेल्टर उपलब्ध कराया गया।

जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम और यातायात जाम- जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम के चलते हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। अनंतनाग के काजीगुंड कस्बे में लगभग 2000 वाहन फंस गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जानकारी दी कि प्रशासन भारी वाहनों को प्राथमिकता देते हुए यातायात बहाल करने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय सेना का सराहनीय योगदान- भारतीय सेना की चिनार कोर, जिसका नाम कश्मीर के चिनार वृक्ष से लिया गया है, राज्य के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन का जिम्मा संभालती है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन ने सेना की तत्परता और जनसेवा की भावना को फिर से साबित किया है।

स्थानीय प्रशासन की स्थिति पर अपडेट- मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्विटर पर जानकारी दी कि अनंतनाग के डिप्टी कमिश्नर की टीम फंसे हुए वाहनों को निकालने में जुटी है। मौसम की चुनौती के बावजूद यातायात को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि जहां आवश्यक होगा, वहां सेना और स्थानीय टीमों की मदद से राहत पहुंचाई जाएगी।

हिमाचल में बर्फीला तूफान, अटल टनल बंद, फ्लाइट्स रद्द

भोपाल में बारिश का 5 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। बर्फबारी, ओलावृष्टि और बारिश से पूरा देश ठिठुर गया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों पर साल का सबसे भारी हिमपात हुआ। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 8 इंच, गांदरबल में 7 इंच, सोनमर्ग में 8 इंच बर्फ गिरी। वहीं, पहलगाम में 18 इंच बर्फ गिरी।

श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद हो गया है। यहां करीब 1200 से ज्यादा गाड़ियां फंसी हुई हैं। खराब मौसम के कारण रविवार को लगातार दूसरे दिन श्रीनगर एयरपोर्ट बंद है। रेलवे यातायात भी बाधित हुआ है। उधर, हिमाचल प्रदेश में शनिवार रात बर्फीला तूफान चला। 24 घंटे में रोहतांग के नॉर्थ और साउथ पोल पर 3 फीट से ज्यादा बर्फ जम चुकी है। अटल टनल पर आवाजाही बंद कर दी गई है। दूसरी ओर, राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश हुई। दिल्ली में शनिवार सुबह तक एक दिन में 41.2 मिमी बारिश हुई। यह दिसंबर में 101 साल में एक दिन में होने वाली सर्वाधिक बारिश है।

मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में तेज बारिश और ओले गिरे। भोपाल में शनिवार को हुई 17 मिमी (पौन इंच) बारिश ने नया रिकॉर्ड बनाया। यह 5 साल बाद दिसंबर में एक दिन में हुई सबसे ज्यादा बारिश है।

साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश, 120 की मौत

लैंडिंग के दौरान पहिए नहीं खुले, एयरपोर्ट बाउंड्री से टकराकर ब्लास्ट, पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा था

सियोल। साउथ कोरिया में रविवार को बैंकॉक से आ रहा जेजू एयर का विमान मुआन एयरपोर्ट पर क्रैश हो गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विमान में 181 लोग सवार थे। इनमें 175 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर थे। अब तक 120 शव बरामद किए जा चुके हैं। रेस्क्यू टीम ने जानकारी दी है कि 2 लोगों को जिंदा बचा लिया गया है। बाकी 59 यात्रियों में से कई के मारे जाने की आशंका जताई गई है।

हादसा भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5.37 बजे (लोकल टाइम सुबह 9.07 बजे) हुआ। प्लेन मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था। उसी समय लैंडिंग गियर में खराबी का पता चला। इस वजह से उसके पहिए खुलकर नीचे नहीं आए। पहिए न खुलने पर विमान की इमरजेंसी में बैली लैंडिंग कराई गई। इसमें प्लेन की बॉडी सीधे रनवे से टकराती है। इस दौरान विमान रनवे पर फिसलता हुआ एयरपोर्ट की बाउंड्री वाल से जा टकराया। टकराते ही विमान में तेज धमाका हुआ और वह आग का गोला बन गया। हादसे के बाद एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं। यहां सभी लोकल और इंटरनेशनल फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं।

जेजू एयरलाइन का जो प्लेन क्रैश हुआ है, वह अमेरिकी कंपनी बोइंग का 737-800 प्लेन था। प्लेन ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए दो बार कोशिश की। पहली बार में भी लैंडिंग गियर नहीं खुलने की वजह से प्लेन लैंड नहीं हो पाया था। इसके बाद प्लेन ने एयरपोर्ट का एक चक्कर लगाया था।

पायलट ने दूसरी बार प्लेन को बिना लैंडिंग गियर के ही बैली लैंडिंग (पेट के बल) कराने का फैसला किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक प्लेन के विंग से पक्षी के टकराने का दावा किया जा रहा है। इसकी वजह से लैंडिंग गियर खराब हुआ और लैंड करते वक्त खुल नहीं पाया।

भाजपा संगठन चुनाव को लेकर आज से दिल्ली में बैठक

भोपाल। संगठन पर्व को लेकर दिल्ली में आज से दो दिन तक भाजपा की बड़ी बैठकें होने जा रही हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हो रही इन बैठकों में राज्यवार संगठन चुनावों की प्रगति और स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से नीतिगत निर्णय लिए जाने हैं।

इसी बैठक में मप्र में जिलाध्यक्षों को रिपीट करने या नहीं करने की गाइडलाइन तय हो सकती है। प्रदेश भाजपा सूत्रों के मुताबिक संगठन में बड़े तबके की मांग है कि 5 साल तक जिलाध्यक्ष रह चुके व्यक्ति को दोबारा रिपीट नहीं किया जाए।

वहीं कुछ जिलाध्यक्षों का तर्क है कि उनके नेतृत्व में पार्टी को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़ी सफलता मिली है, उनका कार्यकाल निर्विवाद और उपलब्धियों भरा रहा है तो उन्हें दोबारा मौका क्यों नहीं मिलना चाहिए? मप्र के नेताओं का कहना है इस मसले पर फिलहाल कोई स्पष्ट नीति नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर की बैठक में चर्चा के बाद स्पष्टता आ जाएगी। दिल्ली बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद, प्रदेश चुनाव प्रभारी समेत प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय पर्यवेक्षक भी शामिल होंगे।

बताया जाता है 1 जनवरी से 3 जनवरी के बीच 3 नामों का अंतिम पैनल तैयार किया जाएगा। इसके बाद अंतिम नामों की सूची फाइनल कर केंद्रीय संगठन को भेज दी जाएगी। केंद्रीय संगठन 5 जनवरी के बाद इसे कभी भी जारी कर देगा।

शनिवार तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में जिलाध्यक्ष के लिए रायशुमारी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। शनिवार कई जिलों में रायशुमारी की गई, इसलिए दिनभर प्रदेश कार्यालय से लेकर भाजपा के जिला कार्यालयों में गहमागहमी बनी रही। जिन जिलों में बची हुई है, वह अगले दो दिन में पूरी हो जाएगी। रायशुमारी करने वाले सभी जिला प्रभारियों को 1 से 3 जनवरी के बीच तीन-तीन नामों का पैनल प्रदेश स्तर पर सौंपना है। जिला प्रभारियों को कहा गया है कि तीन नामों के पैनल में जहां संभव हो वहां एक सक्षम महिला कार्यकर्ता का नाम जरूर शामिल करना है। प्रदेश स्तर से इन नामों की स्क्रूटनी करने के बाद फाइनल नामों दिल्ली भेजे जाएंगे। क्योंकि इस बार जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा विधायक और सांसदों की टिकट की तरह राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली से की जानी है।

60 साल से ज्यादा आयु का नहीं होगा जिलाध्यक्ष

अब तक जो तय हुआ उसके हिसाब से कोई भी जिलाध्यक्ष 60 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होगा। लगभग 25 फीसदी जिलाध्यक्ष के पद महिलाओं को दिए जा सकते हैं। यानी कुल 60 जिलाध्यक्षों में से 15 जिलाध्यक्ष महिलाएं हो सकती हैं।

खंडवा में पुल से गिरी चार्टर्ड बस, 18 लोग घायल

खंडवा। खंडवा से लगे ठिठियाजोशी गांव में रविवार तड़के 4 बजे एक यात्री बस आबना नदी के पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में 18 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 13 एंबुलेंस वाहनों से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रामनगर चौकी प्रभारी मनोज दवे के मुताबिक, यात्री बस चौहान कंपनी की है, जो कि अमरावती की ओर से खंडवा आ रही थी। बस को इंदौर इंदौर जाना था। इस दौरान ठिठियाजोशी के पुल पर अचानक हादसा हो गया। सभी घायलों को मामूली चोट आई है। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई थी। हादसे में घायल ज्यादातर लोग रीवा, इंदौर और नागपुर के रहने वाले है।

हरियाणा-महाराष्ट्र वाले हथकंडे दिल्ली में नहीं चलने देंगे, भाजपा पर बरसे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी तरह से चुनाव जीतना चाहती है, चाहे बेईमानी से ही क्यों न हो। लेकिन, दिल्ली की जनता ऐसा नहीं होने देगी। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उन्होंने जो हथकंडे अपनाए थे। हम उन्हें उस हथकंडे का इस्तेमाल करके यहां जीतने नहीं देंगे।

यूका का 337 टन जहरीला कचरा पीथमपुर ले जाने की तैयारी

भोपाल। स्थित यूनियन कार्बाइड के गोदाम में रखे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। रविवार सुबह एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची और कड़े सुरक्षा घेरे में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की प्रोसेस शुरू की। 3 जनवरी से पहले कंटेनर पीथमपुर पहुंचाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में कैम्पस के अंदर जाने की मनाही है।

100 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं, कुल 400 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट और डॉक्टर की टीम इस काम में जुटी है। गैस त्रासदी के 40 साल बाद रामकी के विशेषज्ञों की निगरानी में यह कचरा पैक कर 12 ट्रकों के जरिए 250 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पीथमपुर भेजा जाएगा। इसे रामकी एनवायरो में जलाया जाएगा। कचरे को पुलिस की सुरक्षा में पीथमपुर ले जाया जाएगा। बता दें कि हाईकोर्ट ने 6 जनवरी तक इसे हटाने के निर्देश दिए थे। 3 जनवरी को सरकार को हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश करना है। यानी, 2 जनवरी तक हर हाल में कचरा पीथमपुर भेजना है।

इंद्रजीत सिंह गौर को मिलेगा सौरभ शर्मा के काले धन में से हिस्सा!

भोपाल। भले ही सौरभ शर्मा अपनी पत्नी के साथ दुबई में हो, मगर उससे बरामद 7.98 करोड़ रुपए में से एक बड़ा हिस्सा इंद्रजीत सिंह गौर को मिल सकता है। शर्मा और गौर का कनेक्शन बड़ा ही निराला है। मेरे दोस्त किस्सा ये क्या हो गया वाला..। जी हां गौर साब बेवफा हो गए और शर्माजी को दुबई में दुबकना पड़ा। सौरभ के घर से जो पैसा और जंगल से 52 किलो सोना मिला उसके 10 परसेंट पर दावा इंद्रजीत सिंह गौर का हो गया है।

पिछले सप्ताह आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी में 7.98 करोड़ रुपए और 235 किलो चांदी सहित कई दस्तावेज बरामद की गए थे। इसके अलावा जंगल में 52 किलो सोना भी लावारिस हालत में बरामद हुआ था, जिसके तार सौरभ शर्मा से जुड़ चुके हैं। मामला अब श्वष्ठ को सौंपा जा चुका है। इधर सौरभ शर्मा अपनी पत्नी के साथ फरार हो गया है। चर्चा है कि वह दुबई में छिपा बैठा है।

कौन है ये इंद्रजीत सिंह गौर

दरअसल सौरभ शर्मा के खिलाफ शिकायत करने वाले कोई और नहीं, बल्कि उसके अपने करीबी ही थे। मिली जानकारी के अनुसार वह नाम है- इंद्रजीत सिंह गौर, बताया जाता है कि इंद्रजीत सिंह गौर कभी पत्रकार हुआ करते थे। फिर ग्वालियर में अपना बिजनेस शुरू कर लिया। इसी दौरान वह सौरभ शर्मा के संपर्क में आया और दोनों के बीच दोस्ती गहरी होती गई। चर्चा है कि किसी बात पर विवाद होने के कारण दोनों के बीच खटास आ गई, जिसके चलते इंद्रजीत सिंह गौर ने लोकायुक्त में सौरभ की काली कमाई की शिकायत कर दी थी। अब जबकि सौरभ की काली कमाई उजागर हो चुकी है तो साफ है कि आयकर विभाग के नियमानुसार गौर को 10 फीसदी हिस्सा मिलेगा। आयकर विभाग के इस नियम को आप नीचे ग्राफिक के माध्यम से अच्छी तरह से जान सकते हैं।

फॉर्म हाउस से बरामद सोना और नकदी

मेंडोरी के जंगल में स्थित फॉर्म हाउस से इनोवा कार में 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए। यह फॉर्म हाउस सौरभ के एक करीबी रिश्तेदार का है, जो कार्रवाई के बाद से गायब है। छापे के बाद सौरभ का जीजा और साला भी अंडरग्राउंड हो गए हैं। सौरभ की पत्नी दिव्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कई पोस्ट डिलीट कर दी हैं। दिव्या भोपाल में एक फिटनेस क्लब का संचालन करती थीं।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने पूर्व विधायक केपी सिंह पर आरोप लगाया है कि सौरभ के पास से मिली संपत्ति उन्हीं की है। उन्होंने डीएनए जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

ठाकरे जी ने अपना पूरा जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दिया: भगवानदास सबनानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र स्थित स्मृति स्थल भदभदा पर ठाकरे जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का दिन भर आना जाना लगा रहा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने भी दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ स्मृति स्थल पर जाकर श्रद्धेय ठाकरे जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए, इस अवसर पर विधायक सबनानी ने ठाकरे जी के जीवन में पार्टी के लिए समर्पण और अपने साथ ठाकरे जी के से जुड़े प्रसंग कार्यकर्ताओं को बताएं। श्री सबनानी ने कहा कि ठाकरे जी ने अपना पूरा जीवन ही पार्टी के लिए समर्पित कर दिया था, उन्हीं के कारण आज मध्य प्रदेश भाजपा का अभेध किला बन गया है, श्रद्धेय ठाकरे जी ने कई बार मध्य प्रदेश और अब छत्तीसगढ़ को पैदल चल के नापा है,और संगठन को गढ़ने में अपना अमूल्य योगदान दिया है, मुझे भी कई अवसरों पर श्रद्धेय ठाकरे जी के साथ काम करने का अवसर प्राप्त हुआ है। ऐसे कई छोटे बड़े प्रसंग हैं जो मेरे जीवन के लिए विशेष यादगार बन गए हैं संगठन के प्रति समर्पित होकर काम करने की जो भावना मेरे अंदर है वह श्रद्धेय ठाकरे जी के कारण ही हैं, पार्टी की सदस्यता अभियान के लिए में एक बार ठाकरे जी से मिलने दिल्ली गया और उन्हें पार्टी का सदस्य बनने के लिए निवेदन किया, श्रद्धेय ठाकरे जी ने कहा कि भैया मुझे तो दिल्ली वालों ने ही सदस्य बना लिया है, पर मैंने कहा कि नहीं आप मध्य प्रदेश के हैं और आपकी सदस्यता तो हमारे द्वारा ही की जाएगी इसलिए आपकी में सदस्यता करूंगा, ठाकरे जी ने मेरे द्वारा सदस्यता ली और जब मैं जाने लगा तो बोले भगवानदास सदस्यता की राशि तो ले लो, मैंने कहा नहीं राशि में स्वयं मिला दूंगा तो उन्होंने कहा कि नहीं चाहे कितना भी बड़ा पार्टी का पदाधिकारी हो उसे सदस्यता की राशि स्वयं देना चाहिए और आप लोग को लेना भी चाहिए इससे पार्टी के प्रति अपने कर्तव्य बोध का भाव बना रहता है। श्रद्धेय ठाकरे जी ने जो सिक्के मुझे सदस्यता राशि के रूप में दिए थे वह आज भी मेरे पास एक अमूल धरोहर के रूप में सुरक्षित रखे हैं। ऐसे भी कई और प्रसंग हैं जो मेरे साथ जुड़े हुए। अभी संगठन पर्व पर दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मध्य प्रदेश का जब सम्मान हुआ तो, वहां भी कहा गया कि यहां तो कुशाभाऊ ठाकरे जी के प्रदेश के लोग हैं जहां संगठन बनाया नहीं गढा जाता है। बूथ विस्तार की जो व्यवस्था है वह श्रद्धेय ठाकरे जी को ही समर्पित है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी जिला कार्यालय प्रभारी राजू अनेजा महापौर परिषद सदस्य जगदीश यादव पार्षद बृजुला सचान पार्षद आरती अनेजा वरिष्ठ भाजपा नेता लीलेद्र मारण मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया मंडल अध्यक्ष सोनू पालीवाल मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाड़े मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया आशा पारोचे वंदना परिहार सीमा जी सहित बड़ी संख्या में दक्षिण पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कौशल विकास संचालनालय एवं इंडो जर्मन इनीशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन के मध्य हुआ एमओयू

उज्जैन आईटीआई में मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब होगी स्थापित

भोपाल। मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देने के लिए कौशल विकास संचालनालय और सीमेंस लिमिटेड के बीच इन्डो-जर्मन इनिशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम के दूसरे चरण के तहत द्विपक्षीय समझौता (रूश्र) संपन्न हुआ। इस अवसर पर कौशल विकास संचालनालय के संचालक श्री गिरीश शर्मा (आईएएस) और सीमेंस लिमिटेड के श्री धर्मवीर सिंह ने इस समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रोग्राम, जो जर्मन ड्यूल वीईटी (दोहरे व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) मॉडल पर आधारित है। इस प्रोग्राम के तहत प्रदेश के चार प्रमुख इंडस्ट्री क्लस्टर—ग्वालियर/शिवपुरी, जबलपुर/कटनी, सागर/दमोह और रीवा/सतना के अंतर्गत 40 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। इन संस्थानों में 10 प्रमुख ट्रेड्स, जैसे इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, फिटर, टर्नर, और वेल्डर के छात्रों को उद्योग आधारित इन-प्लांट ट्रेनिंग दी जाएगी। सीमेंस लिमिटेड के विशेषज्ञ न केवल इन ट्रेड्स के छात्रों को प्रशिक्षण देंगे, बल्कि आईटीआई के प्राचार्यों, प्रशिक्षण अधिकारियों और ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर्स की क्षमता निर्माण पर भी काम करेंगे। यह प्रोग्राम उद्योगों की जरूरतों और छात्रों के कौशल के बीच पुल का काम करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इसके अलावा, सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कौशल विकास संचालनालय के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण समझौता भी संपन्न हुआ।

इस समझौते के तहत उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब स्थापित की जाएगी। यह लैब डिज़ाइन, सीएनसी प्रोग्रामिंग, 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजीज के माध्यम से कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मानकों पर आधारित तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास है। उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में स्थापित होने वाली मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब को सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के सीएसआर से बनाया जायेगा।

प्रदेश में स्मार्ट सिटी योजना में 7 शहरों में 1253.65 करोड़ के कार्य पूरे

उज्जैन शहर में 284 करोड़ रूपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्मार्ट सिटी योजना के माध्यम से शहरों का समुचित विकास, आर्थिक सुधार और नागरिकों की जीवनशैली में सुधार के कार्य प्रमुख रूप से किये जा रहे हैं। योजना में पिछले एक वर्ष में सातों स्मार्ट सिटी शहरों में 1253 करोड़ 65 लाख रूपये की 81 कार्य पूरे किये जा चुके हैं। वर्तमान में 828 करोड़ के 43 कार्य प्रगति में है। प्रदेश के 7 शहरों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और सतना शहर शामिल है।

2 शहरों का चयन

स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा द सिटी इन्वेस्टमेंटस् टू इनोवेट इंटीग्रेट एण्ड सस्टेन (सीआईटीआईआईएस 2.0) प्रोग्राम के कम्पोनेन्ट-1 अंतर्गत राज्य के 2 स्मार्ट सिटी शहर उज्जैन एवं जबलपुर का चयन किया गया है। योजना के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिये चयनित प्रत्येक शहर को 135 करोड़ रूपये के मान से अनुदान राशि प्राप्त होगी। चैंलेज कंपोनेंट-2 के अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिये भेजा है।

जबलपुर-इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मान

केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नर्चरिंग नेबरहुड 1.0 के अंतर्गत किये गये कार्यों के लिये जबलपुर और इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मानित किया जा चुका है। जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा आंगनवाड़ी, पार्कों का?विकास कार्य और सिविल अस्पतालों में बच्चों के लिये वैक्सीनेशन सेंटर का निर्माण प्रमुख रूप से किया गया है। इंदौर स्मार्ट सिटी द्वारा सार्वजनिक स्थलों और ज्यादातर बस्तियों में विकास कार्य किये गये हैं। इंदौर स्मार्ट सिटी में जिज्ञासारत उमंग वाटिका और कर्मरथ आदि विकास कार्य प्रगति पर हैं। केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार इन्क्यूबेशन ऑफ न्यू सिटीज चैलेंज के अंतर्गत जबलपुर टैक्सटाइल एण्ड लॉजिस्टिक क्लस्टर एवं पीथमपुर स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप सेक्टर-7 के प्रस्ताव तैयार कर नई दिल्ली भेजे गये हैं। चयनित शहर को व्हीजीएफ के रूप में एक हजार करोड़ रूपये की राशि प्राप्त होगी।

उज्जैन शहर में यूनिटी मॉल

केन्द्र सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेटस् अंडर पार्ट-ङ्कङ्घ के अंतर्गत %एक जिला-एक उत्पाद% के प्रचार-प्रसार और विक्रय के लिये उज्जैन शहर में 284 करोड़ रूपये लागत से यूनिट मॉल का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को प्रथम किश्त के रूप में 142 करोड़ रूपये की राशि जारी की गई है। योजना से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन के साथ जिलों में छोटे-मझोले व्यापारियों को अपने उत्पादों के विक्रय के लिये उपर्युक्त स्थान प्राप्त होगा। यह कार्य अगस्त 2025 तक पूरा किये जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

पोक्सो एक्ट लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित अधिनयम 2012 पर कार्यशाला का आयोजन

महिला उन्नति संस्था ने छात्र-छात्राओं को जागरूक होने के लिए किया प्रेरित

संत हिरदाराम नगर। सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था मध्यप्रदेश शाखा द्वारा पोक्सो एक्ट लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 पर एक कार्यशाला का आयोजन शासकीय माध्यमिक शाला, शहीद नगर भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला फिरदौस सिराज एवं शाला प्रभारी पवन किशोर मिश्रा के सहयोग से किया गया। जिसमें विधिक सलाहकार किरण ठाकुर, दिवाकर शर्मा, जिलाध्यक्ष महिला उन्नति संस्था डॉ अनुराधा पवार, प्रदेश अध्यक्ष महिला उन्नति संस्था तनु जैन, ताज फराज खान, संगीता गुप्ता सहित शाला के समस्त अध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विधिक सलाहकार किरण ठाकुर एवं दिवाकर शर्मा द्वारा संबंधित अधिनियम पर प्राथमिक जानकारी बच्चों के समक्ष उपलब्ध कराई गई। किरण ठाकुर द्वारा सरल शब्दों में एक संक्षिप्त कहानी द्वारा पोक्सो एक्ट का अर्थ बताया गया, साथ ही संबंधित अधिनियम का प्रयोग करके बचाव की जानकारी बच्चों को उपलब्ध कराई गई। दिवाकर शर्मा ने छात्र-छात्राओं को सुरक्षित एवं जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनुराधा पावर द्वारा बच्चों को गुड टच एवं बैड टच की जानकारी दी गई और भावनात्मक रूप से अपने माता-पिता से जुड़ने एवं हर बात माता-पिता को बताने के लिए प्रेरित किया। तनु जैन द्वारा विद्यालय के स्टाफ एवं उपस्थित समस्त लोगों के बीच संस्था द्वारा महिला एवं बाल विकास कार्यों की चर्चा की। छात्र-छात्राओं को बताया कि वे ही देश का भविष्य है अत: उन्हें न केवल स्वयं जागरूक बनना है बल्कि अपने आसपास के समाज को भी शिक्षित एवं जागरूक होने के लिए प्रेरित करना है।

एमपी ट्रांसको ने वर्ष-2024 में हॉसिल की ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि वर्ष-2024 में ऊर्जा क्षेत्र में एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हॉसिल की है ।एम.पी. ट्रांसको ने कैलेंडर वर्ष-2024 में प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) के अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, विस्तारीकरण एवं विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक नए आयाम स्थापित किए।

ट्रांसफॉर्मेशन केपेसिटी हुई 80 हजार एम.व्ही.ए. से ज्यादा

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष एम.पी. ट्रांसको ने अपने नेटवर्क में 1729 एम.व्ही.ए. क्षमता की अतिरिक्त वृद्धि की। इससे प्रदेश में कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता बढ़कर 80 हजार 774 एमवीए की हो गई है। इस वर्ष 47 नये पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किये गये, जिससे एम.पी. ट्रांसको के ऊर्जीकृत पॉवर ट्रांसफार्मर की संख्या बढकर 1023 हो गई है। इसमें 400 के.व्ही. के 37,220 के.व्ही. के 215 एवं 132 के.व्ही. के 771 ट्रांसफॉर्मर क्रियाशील हैं।

176 सर्किट कि.मी. लाइनों का हुआ निर्माण

इस वर्ष मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन लाइनों की लंबाई बढ़कर 42133 सर्किट कि.मी. की हो गई है, जो प्रदेश के 416 अति उच्चदाब सब-स्टेशनों में विद्युत पारेषण करती है। इस वर्ष प्रदेश में 176 सर्किट किलोमीटर लाइनों का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया गया।

पहली बार 18 हजार मेगावाट से ऊपर की डिमांड को किया हैंडल

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एम.पी. ट्रांसको के सिस्टम ने प्रदेश में पहली बार 18 हजार मेगावाट से ऊपर विद्युत डिमांड बिना किसी व्यवधान के हैंडल करने में सफलता प्राप्त की। 20 दिसम्बर 2024 को प्रदेश में आज तक की अधिकतम 18913 मेगावॉट डिमांड दर्ज की गई। इसी तरह प्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एक दिन में 3368.56 लाख यूनिट विद्युत खपत की सफलतापूर्वक आपूर्ति करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया।

ट्रांसमिशन सिस्टम में नई टेक्नोलॉजी का हुआ समावेश: तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश के अपने ट्रांसमिशन सिस्टम में नई तकनीकों का समावेश करते हुये सिस्टम को अपग्रेड किया। विभिन्न ट्रांसमिशन एलीमेंटस को एच.एम.आई. (हयूमन मशीन इंटरफेस) तकनीक से ऊर्जीकृत और नियंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश के पुराने तीन 132 के.व्ही. सब-स्टेशनों को रिमोट से संचालित करने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है।

400 व 132 के व्ही लाइनों की भी होगी ड्रोन पेट्रोलिंग

220 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन पेट्रोलिंग में मिली सफलता के बाद अब प्रदेश में 400 एवं 132 के.व्ही. के 23000 ट्रांसमिशन टॉवरों की ड्रोन पेट्रोलिंग भी की जा रही है। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने ट्रांसमिशन टॉवरों की पेट्रोलिंग ड्रोन के माध्यम से प्रारंभ की है।

पेंशनर्स को ऑनलाइन सुविधा

एम.पी. ट्रांसको ने अपने पेंशनर्स के लिये वेबसाइट के माध्यम से कई सुविधाएं ऑनलाइन करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। अब एम.पी. ट्रांसको के सेवानिवृत्त कार्मिक विश्व के किसी भी कोने से लाईफ सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं। साथ ही वेबसाइट के माध्यम से ही अपने पेंशन स्लिप और अपने बैंक खातों में किये गये लेन-देन की जानकारी ली जा सकती है। 2024 में एम.पी. ट्रांसको ने ऑनलाइन वेबिनारों और नॉलेज शेयरिंग कार्यशालाओं से ट्रांसको के युवा इंजीनियरों को अपडेट करने का एक सफल अभियान चलाया। इसके कारण एम.पी. ट्रांसको के वर्क कल्चर में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव आया है।

युवाओं के सपनों को साकार कर रही है प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना

भोपाल। देश के निर्माण में युवाओं की योजना भूमिका सबसे अहम है। इसी सोच को साकार करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की है। यह योजना युवाओं को डिग्री से आगे बढ़कर व्यावसायिक अनुभव और कौशल विकास का अनमोल अवसर देती है, जिससे वे अपने कैरियर में एक मजबूत कदम रख सकें। आज के दौर में जहां व्यावहारिक ज्ञान सबसे बड़ी जरूरत बन गया है, यह योजना युवाओं को इंडस्ट्री की मांगों के अनुरूप तैयार कर रही है। इसका उद्देश्य है युवाओं को सशक्त बनाना और देश के आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में सतना के आयुष पांडे ने अपने कैरियर की नई शुरुआत की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र आयुष ने ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नागदा) में इंटर्नशिप के दौरान अपने कौशल को निखारते हुए आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास पाया। आयुष पांडे ने अपने मन की बात बताते हुए कहा कि इस योजना ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी। इससे मुझे व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी क्षमता को बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला। आयुष की यह प्रेरक यात्रा हर उस युवा के लिए मिसाल है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत कर रहा है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं का भविष्य बेहतर बनाना है। यह योजना तकनीकी और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देती है। इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करती है ।रोजगार के बेहतरीन विकल्प प्रदान करती है ।आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देती है। यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी अहम भूमिका सुनिश्चित करने का एक बड़ा प्रयास है। सतना के आयुष पांडे जैसे युवाओं की सफलता यह साबित करती हैं कि यह योजना हर युवा के सपनों को पंख देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

भोजपाल महोत्सव मेला का आज अंतिम दिन, रंग-बिरंगे गुब्बारे छोडकर होगा समापन

बॉलीवुड नाइट में वैशाली रायकवार ने मेलोडी गीतों की प्रस्तुति दी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजा भोज की नगरी भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला का रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ रंग-बिरंगे गुब्बारे छोडकर समापन किया जाएगा। आज मेले का अंतिम दिन है। शनिवार को एक लाख से ज्यादा लोग परिवार के साथ मेला देखने पहुंचे। 15 नवंबर से चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में अब तक 25 लाख से ज्यादा लोग शिरकत कर चुके हैं। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यह शहरवासियों का प्यार और आशीर्वाद है, जो भरपूर मिल रहा है। मेला मंच पर आयोजित बॉलीवुड नाइट में वैशाली रायकवार ने मेलोडी गीतों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि रविवार 29 दिसम्बर को रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर मेले का समापन किया जाएगा। 45 दिनों तक चले मेले में शहरवासियों का भरपूर सहयोग और आशीर्वाद मिला। शहरवासियों को एक ही परिसर में मनोरंजन करने के साथ ही घूमने फिरने और खरीदारी करने का मौका मिला। महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि मेले में विभिन्न तरह की सामग्री के छोटे-बड़े करीब 400 स्टाल लगाए गए थे। इन स्टालों से ग्राहकों ने विभिन्न प्रकार की सामग्री की खरीदारी की। शहरवासी मेले में लगाए गए फर्नीचार की दुकानों के साथ ही कालीन, कम्बल, गर्म कपड़े, कश्मीरी शॉल, वूलन, क्राकरी, घरेलू उपयोग की सामग्री, सहारनपुर के फर्नीचर सहित विभिन्न तरह के सामानों की खरीदी की।

द ग्रेट जैमिनी सर्कस शो का अंतिम दो दिन

मेले में चल रहा द ग्रेट जैमिनी सर्कस देखने बड़ी संख्या में परिवार के साथ शहरवासी पहुंच रहे हैं। तीन शो में चल रहे सर्कस में रशियन और अफ्रीकन कलाकार एक से बढ़कर एक हैरत अंगेज करतब दिखा रहे हैं। 29 दिसम्बर तक चलने वाले मेले में द ग्रेट जैमिनी सर्कस का अंतिम 3 शो बचा है।

भोजपाल महोत्सव मेला पदाधिकारियों की मेहनत और लगन से यह पूरा आयोजन सफल हो पता है। इसमें महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील साह, महेंद्र नामदेव, ज़ाहिद खान, दीपक बैरागी, देवेंद्र चौकसे, शैलेंद्र सिंह जाट, चन्दन वर्मा, विनय सिंह, अखिलेश नागर, केश कुमार शाह, आफताब सिद्दिकी, मधु भवनानी, दीपक शर्मा, गोपाल शर्मा, सुनील वैष्णव, वाहिद खान, गौरव जैन, सुभाष दरवई सहित अन्य सदस्य शामिल होते हैं।

कांग्रेस खुद फंसी समाधि स्थल की राजनीति में!

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

कांग्रेस ने स्वर्गीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की समाधि स्थल की मांग कर अपने आप को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है और सवालों के घेरे में आ गई है स्वर्गीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह साधारण व्यक्तिव के विशिष्ठ व्यक्ति थे वे कांग्रेस में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय नरसिंह राव द्वारा लाए गए थे उन्हे शान ओ शौकत का कोई शौक नहीं था उन्हे सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनाकर केवल ईमानदारी की मॉडलिंग कराई ।

कांग्रेस स्वयं अपना इतिहास देखे कांग्रेस ने भारत के विद्वान और महान स्वर्गीय प्रधान मंत्री नरसिंहराव के निधन के बाद कितना धृष्टता पूर्ण व्यवहार किया था जो मूलत: आजीवन लंबे समय तक कांग्रेसी रहे मुख्यमंत्री विदेश मंत्री गृह मंत्री कांग्रेस अध्यक्ष और प्रधानमंत्री रहे तब भी उनके पार्थिव शरीर को समाधि स्थल की जगह दिल्ली मैं न स्वीकृत की ओर कांग्रेस मुख्यालय में दर्शन के लिए नही रखा इसी तरह स्वर्गीय प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के लिए समाधि की जगह नही दी इतना ही नहीं कांग्रेस की लंबी सेवा के बाद राष्ट्रपति बने स्वर्गीय प्रणव मुकर्जी के निधन के बाद भी अच्छा व्यवहार नहीं किया कांग्रेस कार्य समिती ने कोई शौक सन्देश तक नही पास किया भारत के पूर्व स्वर्गीय प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई , इंद्रकुमार गुजराल भी रह चुके हे इतना ही नहीं गुलजारी लाल 2 बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे सबके निधन पर कांग्रेस ने क्या किया था यह चिंतन का विषय है स्वर्गीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की कभी भी इच्छा नहीं रही होगी की उनकी मृत्य के उपरांत समाधि स्थल का पाखंड किया जाए देश जानता है की कांग्रेस ने स्वर्गीय मनमोहन सिंह के साथ कैसा अशिष्ट व्यवहार किया और अब उनके नाम पर राजनीति की जा रही हे घड़ियाली आंसू बहाए जा रहे है पहले कांग्रेस अपने गिरेबान में देखे ऐसी निकृष्ट राजनीति से स्वर्गीय मनमोहन सिंह की आत्मा को शान्ति नहीं मिलेगी स्वर्गीय प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह का व्यक्तिव को समाधि स्थल की राजनीति करना निंदनीय ही कहा जायेगा आम आदमी पार्टी भी दिल्ली के चुनाव को देखते हुवे बहती गंगा में हाथ धो रही है जो दुरुभाग्यपूर्ण है।

प्रदेश में 1 जनवरी से ई-ऑफिस और ई-मंडी व्यवस्था होगी शुरू, ऑनलाइन कर सकेंगे काम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में नए साल 2025 में नई व्यवस्था शुरू होगी। 'मोहन सरकार' 1 जनवरी से ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने जा रही है। इस नए सिस्टम के तहत मंत्रालय पूरी तरह पेपरलेस हो जाएगा।

फाइलों का फिजिकल मूवमेंट बंद कर सभी डॉक्यूमेंट्स को स्कैन कर ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है। इसके साथ ही सरकार 41 मंडियों में ई-मंडी योजना शुरू कर रही है। ई-मंडी स्कीम से किसान मंडियों में अपनी उपज बेचने के लिए खुद अपनी पर्ची बना सकते हैं। यह सुविधा मंडी ऐप पर दी गई है। बता दें, पहले से एमपी की 42 मंडियों में ई-मंडी चल रही है। 1 जनवरी से 41 मंडियों में और शुरू हो जाएगी।

क्या है ई-मंडी योजना

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अफसरों को 1 जनवरी से ई-मंडी योजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। इससे किसान मंडियों में अपनी उपज बेचने के लिए खुद अपनी स्लिप बना सकते हैं। यह सुविधा मंडी ऐप पर दी है। ई-मंडी योजना के तहत मार्केट यार्ड में एंट्री से लेकर नीलामी, तौल तथा भुगतान तक की कार्रवाई कंप्यूटराइज्ड होती है। एक बार एंट्री स्लिप बन जाने पर किसानों को बार-बार पूरा डाटा देने की जरूरत नहीं होती। एडमिशन स्लिप बन जाने से किसान सीधे मंडी प्रांगण/मार्केट यार्ड जाकर अपनी कृषि उपज की नीलाम करा सकते हैं। इसी ऐप के जरिए नीलामी की कार्रवाई मिल सकती है। मंडियों में ऐप चलाने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

क्या है ई-ऑफिस व्यवस्था

ई-ऑफिस एक डिजिटल सिस्टम है। इससे सरकारी फाइलें और डॉक्यूमेंट ऑनलाइन मैनेज किए जाते हैं। इस योजना के लागू होने से डिजिटल रिकॉर्ड सेव हो जाएंगे। किसी भी तरह के अग्निकांड या दुर्घटना में रिकॉर्ड खत्म होने पर इसे आसानी से रिकवर किया जा सकेगा। हर फाइल में की गई एंट्री खुद ही सेव होगी, जिससे डेटा लॉस की संभावना खत्म होगी। सर्वर आधारित डेटा स्टोरेज होगा। सभी डॉक्यूमेंट एक सुरक्षित सर्वर में जमा किए जाएंगे।

सरकारी सिस्टम डिजिटल बनाने की दिशा में कदम

मध्य प्रदेश में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू होने से फाइलों के बोझ से छुटकारा मिल पाएगा। सरकार का डिजिटल इंडिया के तहत सरकारी कार्यप्रणाली को आधुनिक और तकनीकी रूप से एडवांस बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। ई-आफिस व्यवस्था पहले स्टेज में मंत्रालय स्तर पर व्यवस्था शुरू होगी। दूसरे स्टेज में विभाग प्रमुखों के कार्यालय शामिल होंगे। तीसरे स्टेज में डिस्ट्रिक्ट लेवल के कार्यालयों को डिजिटल किया जाएगा। वित्त, वन, कृषि, राजस्व और पीडब्ल्यूडी जैसे विभाग पहले से ई-ऑफिस 7.0 वर्जन पर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे जीआईएस-2025 का शुभारंभ

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) एक वैश्विक समागम है। व्यवस्थाओं में कोई भी कमी न रहे। दो महीने से भी कम समय शेष है, समय रहते सभी प्रकार की तैयारियां पुख्ता तरीके से कर ली जाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को जीआईएस 2025 का विधिवत् शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में जीआईएस-2025 की तैयारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि जीआईएस में कोर सेक्टर्स पर फोकस करते हुए ऐसी गतिविधियां आयोजित करें, जिससे ठोस परिणाम मिलें। जीआईएस-2025 में देश-विदेश से आने वाले सभी मेहमानों के रहने-खाने एवं आसपास के पर्यटन स्थलों पर आने-जाने एवं भ्रमण की समुचित व्यवस्था की जाए। मेहमानों को होम-स्टे के बारे में भी बताया जाए। इस कार्य के लिए संस्कृति, वन, पर्यटन एवं स्थानीय प्रशासन आपसी समन्वय के साथ भोपाल शहर के सौंदर्यीकरण के कायों के लिए भी अभी से युद्ध स्तर पर तैयारियों शुरू कर दें।

बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, एमडी एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, कमिश्नर भोपाल श्री संजीव सिंह, एमडी पर्यटन विकास निगम श्री इलैया राजा टी., कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता तथा उद्योग विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विशेषताओं को संजोए हुए जीआईएस-2025 का ऐसा भव्य आयोजन किया जाए कि यह आने वाले प्रतिभागियों के जीवन की बेहतरीन यादों में शामिल हो जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष-2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है। साल भर प्रदेश के विभिन्न संभागों में हर महीने किसी एक सेक्टर जैसे पॉवर सेक्टर, नवकरणीय ऊर्जा, ऑटो, एग्रो, पर्यटन, माइनिंग, हेल्थ, एजुकेशन और आईटी सेक्टर पर आधारित सेक्टोरल एक्सपो या कॉन्क्लेव का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गतिविधियों का विभागीय वार्षिक कैलेण्डर जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने एक नवाचार का सुझाव भी दिया कि इंडस्ट्री के संतुलित विकास के लिए उद्योग जगत से जुड़े हुए विशेषज्ञों, उद्योग संघों, संगठनों के साथ प्रदेश में सुव्यवस्थित, सरल और सुगम उद्योगीकरण की दिशा में विस्तृत विचार मंथन के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में होगी जीआईएस

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने जीआईएस-2025 की अब तक की तैयारियों एवं भावी रूप रेखाओं के बारे में पीपीटी प्रदर्शन के जरिए विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश का 8वां ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2025) भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इसमें 20 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होंने का अनुमान है। इसलिए इसी आधार पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन में राज्य के औद्योगिक ईको-सिस्टम एवं प्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समग्रता के साथ प्रस्तुत करने के प्रयास किए जाएंगे। इसमें 25 देशों के लगभग एक हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। इस समिट में एवीजीसी शो, एमपी पैवेलियन, एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) पैवेलियन, फ्रेंचाइजी एमपी शो आदि विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि जीआईएस के एक दिन पूर्व 23 फरवरी की शाम को फायर साइड चैट का आयोजन किया जाएगा। इस वर्चुअल संवाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव देश के बड़े उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ संवाद करेंगे। इस चैट शो में मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की खुबियों, अब तक की प्रगति तथा मध्यप्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लिए तैयार किए गए रोड मैप एवं रीजनल ग्रोथ पर भी चर्चा होगी। जीआईएस-2025 का विधिवत् शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे। इस दिन आईटी एवं टेक्नोलॉजी समिट होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे। साथ ही एमपी मोबिलिटी एक्सपो, सेंट्रल इंडिया फेब्रिक एवं फैशन एक्सपो, एमपी लिगेसी पवेलियन की गतिविधियां, बी-टू-बी मीटिंग्स भी समानांतर चलेंगी।

25 फरवरी को होगी प्रवासी एमपी समिट एवं एमपी मोबिलिटी एक्सपो

जीआईएस-2025 के दूसरे दिन 25 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग करेंगे। साथ ही प्रवासी एमपी समिट, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर एण्ड अर्बन डेवलपमेंट समिट और टूरिज्म समिट, एमएसएमई तथा स्टार्ट-अप समिट, माइनिंग समिट, ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा समिट भी होंगी। साथ ही एमपी मोबिलिटी एक्सपो, सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एण्ड फैशन एक्सपो, एमपी पैवेलियन की गतिविधियां, बिजनेस-टू-बिजनेस (बी-टू-बी) मीटिंग्स एवं बिजनेस-टू-कन्ज्यूमर्स (बी-टू-सी) मीटिंग्स भी समानांतर चलेंगी। जीआईएस के दूसरे दिन 25 फरवरी को सुबह 10:30 से शाम 5:30 तक छह थीमेटिक सेशन होंगे।

प्रदेश में जिला एवं राज्य स्तरीय ओलम्पिक खेल किए जाएंगे आयोजित: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव म.प्र. ओलम्पिक संघ की वार्षिक साधारण सभा में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेल, शिक्षा का ही एक अभिन्न हिस्सा है। खेल और खिलाडियों का विकास हमेशा ही हमारी सरकार की प्राथमिकता में रहा है। सरकार इनके विकास में कोई कसर नहीं रखेगी। इनकी हर जरुरत पूरी की जायेगी। हम खेल संघों के साथ मिलकर योजना बनाकर काम करेंगे, जिससे प्रदेश से अधिक से अधिक खेल प्रतिभा नेशनल और इंटरनेशनल गेम्स के लिये निकलकर आयें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार जिला स्तरीय ओलम्पिक संघो के साथ समन्वय कर जिला स्तरीय ओलम्पिक गेम्स आयोजित करने की ओर कदम बढ़ायेगी। जिला स्तरीय ओलम्पिक गेम्स में चयनित खिलाडियों के प्रोत्साहन के लिए राज्य स्तरीय ओलम्पिक गेम्स (स्टेट ओलम्पिक) आयोजित किए जाएंगे। खेल विभाग इसकी विधिवत कार्ययोजना बनायेगा। सबसे सुझाव लेकर ही सरकार इस दिशा में आगे बढेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ की वार्षिक साधारण सभा की बैठक (एजीएम) को संबोधित कर रहे थे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, सांसद खजुराहो एवं मप्र ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रमेश मेंदोला, पदाधिकारी श्री दिग्विजय, श्री रोहिणी गुप्ता सहित संघ के अन्य सभी पदाधिकारी, सदस्यगण एवं खेल विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय ओलम्पिक खेलों के आयोजन से प्रदेश की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को भी आगे आने का सुनहरा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, मेडिकल एजुकेशन, टेक्निकल एजुकेशन में अध्ययनरत विद्यार्थियों की रुचि के खेलों और खेल मैदानों के विकास के लिए समन्वित प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के लिए यह एक नई शुरुआत है। हमारी सरकार हर खिलाड़ी को प्रोत्साहन और जरूरी सुविधाएं प्रदान करेगी। खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि यह अनुशासन, सामूहिकता और नेतृत्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने कहा कि इन खेलों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, जिससे खेलों में मध्यप्रदेश का नाम रोशन होगा।

खेल मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए खेल, खिलाड़ी और खेल मैदानों का विकास बेहद जरूरी है। हमारी सरकार ने पूरे समर्पण के साथ इस क्षेत्र में काम किया है। यह काम आगे भी इसी गति से जारी रहेगा। खेल संघों के साथ मिलकर सरकार खेलो एमपी गेम्स आयोजित किए जाएंगे। मंत्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं एक सफल खिलाड़ी रहे हैं। वे खिलाडियों की जरूरत को समझते हैं। यह प्रदेश के खेल जगत के लिए एक सौगात की तरह है। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रदेश के खेल संघों को राज्य सरकार की ओर से अनुदान सहायता देने की मांग भी रखी। संघ पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव एवं मांगे रखीं। बैठक में संघ के साल भर के कामों, खेल गतिविधियों और खिलाड़ियों को दी गई सुविधाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। स्टेट ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष श्री ओम सोनी ने सभी का आभार माना।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना

किसानों ने कहा - फसलें लहलहाएंगी, पलायन रुकेगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

देश की पहली अति महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में फसलें लहलहाएंगी और पलायन रुकेगा। वहां के बहुत से गांवों के निवासियों को, जो पानी की कमी के चलते काम की तलाश में समीपवर्ती राज्यों में पलायन कर जाते थे, अब उन्हें अपना घर - गांव छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। खेतों में पर्याप्त पानी होगा तो वे वर्ष भर फसल ले सकेंगे। यह किसानों के लिए किसी सपने के पूरे हो जाने से कम नहीं होगा और इसके लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिल से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हैं। सटई गांव के किसान मुन्ना असाटी बताते हैं उनका क्षेत्र कम वर्षा के कारण सूखाग्रस्त है और इस कारण वहां के किसान मुश्किल से एक फसल ले पाते हैं। समीप के गांव कुंदरपुरा, जो जनजातीय बहुल ग्राम है, के तो 90त्न निवासी काम की तलाश में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब चले जाते हैं। गांव में पानी आ जाने से न केवल वे खेती कर पाएंगे बल्कि अपने घर में रह पाएंगे, मां-बाप की देखभाल कर पाएंगे, बच्चों को पढ़ा पाएंगे।

ग्राम सिमरा पनिहार के कृषक बल्दू केवट, रामनारायण दुबे और हकीमपुरा के रामेश्वर अहिरवार बताते हैं कि अभी वे वर्ष भर में पानी की कमी के चलते केवल एक फसल ले पाते हैं। परियोजना से खेतों में पानी आएगा तो वे वर्ष में तीन फसल ले पाएंगे। पर्याप्त आमदनी होने से परिवार का लालन-पालन भी ढंग से हो पाएगा। ग्राम टिकरी के किसान बृज गोपाल अवस्थी, ग्राम जटकारा के प्रकाश पंडित, ग्राम बृजपुरा के आसाराम साहू और भवानी दीन मिश्रा बताते हैं कि कम बारिश के कारण क्षेत्र में भू-जल स्तर भी बहुत नीचे चला गया है। कुआं खुदवाओ तो पानी बहुत नीचे मिलता है। बरसात के थोड़े दिनों के बाद यहां के सारे स्टॉप डैम भी सूख जाते हैं, जिससे सिंचाई के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं रहता। ऐसे में खेती करना बहुत मुश्किल हो जाता है। जैसे-तैसे खेती तो करते हैं, परंतु उत्पादन बहुत कम होता है।

भूमि जल का स्तर बढ़ेगा

केन-बेतवा परियोजना से भूमि जल का स्तर बढ़ेगा और विभिन्न जल स्त्रोतों से भी सिंचाई के लिए पानी मिल पाएगा। पशुओं के लिए हरा-भरा चारा और पानी मिलने से पशुपालन भी बढ़ेगा।खजुराहो के कृषक बाबूलाल पटेल और बिहारी लाल पटेल बताते हैं कि खजुराहो में अनेक पर्यटन स्थल है, परंतु पानी की कमी के कारण पर्यटन पर भी असर पड़ता है। केन-बेतवा परियोजना आ जाने से पर्यटन के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। रोजगार और व्यवसाय भी बढ़ेगा। पानी की उपलब्धता से आस-पास के क्षेत्र में उद्योग भी लगेंगे।

गुरु घासीदास जयंती महोत्सव पर शोभायात्रा निकाली

भोपाल। गुरु घासीदास सेवा संस्थान दामखेड़ा कोलार द्वारा विशाल शोभा निकाली गुरु घासीदास पखवाड़ा के तहत शोभा यात्रा निकाली यह जानकारी पूरन सतनामी अध्यक्ष ने मीडिया को दी उन्होंने बताया कि इस अवसर पर शाम को परंपरा अनुसार चौका पूजा एवं पंथी नृत्य का आयोजन रात्रि में किया जाएगा इस आयोजन में मुख्य रूप से विधायक रामेश्वर शर्मा एवं प्रदीप पाटीदार मंडल अध्यक्ष सुनीता गुड्डु भदोरिया पार्षद उपस्थित हुए सभी सामाजिक बंधुओ ने चौका पूजा के साथ में गुरु घासीदास जी से आशीर्वाद लिया इस अवसर बड़ी संख्या में समिति के सदस्य एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे

उपार्जन धान की सुरक्षा के लिये किये जा रहे समुचित प्रयास : खाद्य मंत्री राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि उपार्जित धान की वर्षा से सुरक्षा के लिये समुचित प्रबंध किये जा रहे हैं। उन्होंने बताय है कि प्रदेश में अभी तक कुल 24 लाख 84 हजार 811 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है। यह विगत वर्ष में इस अवधि के उपार्जन की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। इसके लिए प्रदेश में 1394 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं।

प्रदेश में कुल उपार्जन केन्द्रों में से 749 गोदाम स्तरीय केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें उपार्जित धान का भंडारण वहीं गोदाम में कर दिया जाता है। इसके लिए परिवहन की आवश्यकता नहीं होती है। शेष उपार्जन केन्द्र जो समिति स्तरीय बनाए गए थे, उनमें उपार्जित 3 लाख 97 हजार 515 मीट्रिक टन धान को सीधे मिलर्स को मिलिंग के लिये दी गई है। साथ ही 14 लाख 40 हजार 774 मीट्रिक टन धान का परिवहन एवं हैंडलिंग चालान बनाकर गोदामों में सुरक्षित भंडार किया गया है। शेष बची हुई धान को उपार्जन समितियों के माध्यम से तिरपाल, पॉलिथीन डालकर सुरक्षित करने के लिये पूर्व में ही निर्देशित कर दिया गया था। उपार्जित धान के सुरक्षित भंडारण के लिये प्रतिदिन धन उपार्जन वाले जिले के अधिकारियों के साथ प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से मॉनिटरिंग कर धान को सुरक्षित रखने के प्रयास किए गए हैं। मंत्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भी धान उपार्जन की समीक्षा की जाकर समस्त संभागीय आयुक्त, समस्त कलेक्टर्स और

अधिकारियों को बेमौसम बरसात की संभावना के चलते धान को सुरक्षित रखने के लिये सभी आवश्यक प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही खराब मौसम के चलते किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो इसलिये 1 जनवरी तक धान उपार्जन को स्थगित किया जाकर किसानों को आगे अवसर दिया गया है। आगामी 30 एवं 31 दिसम्बर और 1 जनवरी को धान विक्रय के लिये जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया है। उनकी अवधि 5 कार्य दिवस बढ़ा दी गई है। इसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से किसानों को दी जा रही है। किसानों द्वारा 2 जनवरी से नियमित रूप से धान का विक्रय उपार्जन केन्द्रों पर किया जा सकेगा।

ऊर्जा मंत्री ने सिविल अस्पताल हजीरा का किया निरीक्षण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार की सुबह सिविल अस्पताल हजीरा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। तोमर भोपाल से ग्वालियर पहुंचने के बाद सबसे पहले सिविल अस्पताल हजीरा पहुंचे यहां उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, भोजन और नाश्ते की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरीजों के बिस्तरों की चादर समय पर बदली जाए और ठंड के मौसम में किसी मरीज को कोई असुविधा न हो। ऊर्जा मंत्री तोमर ने अस्पताल के आईसीयू निर्माण कार्य पर चर्चा कर प्रगति की समीक्षा की तथा रसोई घर का निरीक्षण कर हरी सब्जियों तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल संकट से निबटने में धीमी परियोजनाएं

राकेश दुबे

बड़े दिनों बाद यह सुखद है कि अब अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है।

यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह प्रतिशत आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार प्रतिशत पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है।

राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है।

इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है।

बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार करीब बासठ लाख लोगों को पेयजल की अनवरत आपूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा जलविद्युत परियोजना के जरिये 103 मेगावाट बिजली तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रस्तावित है। निस्संदेह, यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

खुले मन से एक साथ गाएं, जन गण मन..

सरयूसुत मिश्रा

संसद में एक देश एक चुनाव का ऐतिहासिक बिल पेश कर दिया गया है. भले ही अच्छी नियत से अच्छे भाव से सुधार का यह बिल पेश किया गया हो, लेकिन इसे मोदी सरकार ने पेश किया है, इसलिए गुण-दोष की परवाह के बिना इसका विरोध कुछ दलों का फंडामेंटल राइट बन गया है.

इस ऐतिहासिक बिल के साथ भी ऐसी ही शुरुआत हुई है. सरकार ने स्वयं इस बिल पर व्यापक चर्चा के लिए, संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया है. संसदीय समिति इस पर सभी पक्षों से विचार विमर्श करेगी. इसमें सभी दलों के सदस्य होंगे.

राज्यों से भी परामर्श किया जाएगा. संसदीय समिति की रिपोर्ट के बाद फिर से केंद्रीय कैबिनेट उस पर विचार करेगी, फिर संसद में यह बिल विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा.यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव सुधार के इस नवाचार पर संसद की मुहर लगेगी.

संसद की सदस्य संख्या संविधान संशोधन विधेयकों को पारित करने के लिए किसी भी दल के पास पर्याप्त नहीं है. यह विधेयक इसी स्थिति में पारित हो सकता है, जब दलों और गठबंधनों से ऊपर उठकर नेशन और लोकतंत्र के भाग्य के लिए शुभ भाव से कदम बढ़ाया जाएगा.

सुधार सतत प्रक्रिया है. सुधार स्वभाव है. मोदी सरकार ने अपने हर कार्यकाल में इसी स्वभाव का परिचय दिया है. वन नेशन वन टैक्स लागू हो चुका है. वन नेशन वन इलेक्शन के बाद देश में चुनाव सुधार के लिए अभियान चलाने की जरूरत है.

इसके अंतर्गत जन प्रतिनिधि कानून में सुधार, चुनाव में काले धन पर रोक राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण पर रोक, दल बदल कानून में सुधार, मुफ्त खोरी की प्रवृत्ति पर रोक और चुनावी वादों की सार्थकता पर सुधार के कदम उठाने की जरूरत है. लोगों में राजनीतिक जागरुकता और राजनीतिक दलों में जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना जीवंत लोकतंत्र स्थापित नहीं हो सकेगा.

एक देश एक चुनाव का बिल जेपीसी में व्यापक बहस के लिए भेज दिया गया है. सभी दलों को खुले मन से दलीय और क्षेत्रीय भावनाओं से ऊपर उठकर दल से ऊपर देश की भावना से चुनाव सुधार की इस पहल पर मंथन की जरूरत है. नया संसद भवन चुनाव सुधार का नया प्रतिमान स्थापित कर पाया, तो यह देश के लिए स्वतंत्रता जैसी नई सुबह होगी.

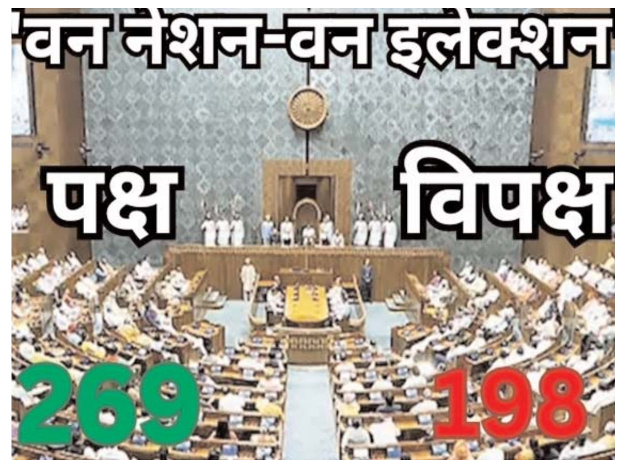

संसद में यह बिल पेश करते समय एनडीए की ओर से समर्थन तो कांग्रेस और उसके गठबंधन के सहयोगियों की ओर से विरोध दलीय और गठबंधन की सीमाओं में ही दिखाई पड़ रहा था. लोकतंत्र को लेकर कोई प्रगतिशील सोच विधेयक पेश करते समय तो नहीं दिखा.

एक देश एक चुनाव के पक्ष में और विरोध में तमाम तर्क दिए जा रहे हैं. लंबे समय से इस पर विचार विमर्श चल रहा था. इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग विचार कर चुके हैं. इस बिल पर राजनीतिक दलों में आम राय अगर बन सके तो यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत होगा.

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला हैं. लोकसभा और राज्यों के चुनाव पूरे पांच साल बीच-बीच में चलते रहते हैं. इसके कारण देश हमेशा चुनावी मोड में रहता है. इससे न केवल प्रशासनिक और नीतिगत निर्णय प्रभावित होते हैं, बल्कि देश के खजाने पर भी बोझ पड़ता है.

एक देश एक चुनाव कोई अनूठा प्रयोग नहीं है, क्योंकि आजादी के बाद 1967 तक लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करवाए जाते थे. बीच में यह क्रम टूट गया. एक देश एक चुनाव कराना तो संभव है.

एक देश एक चुनाव से जहां आचार संहिता के कारण लगातार विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे. वहीं चुनाव प्रक्रिया में लगने वाले भारी भरकम खर्च की भी बचत होगी.

एक साथ चुनाव होंगे, तो निश्चित रूप से चुनाव में काले धन और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी. चुनाव प्रक्रिया में लगने वाले सरकारी कर्मचारी और सुरक्षा बलों के समय में भी बचत होगी और इससे प्रशासन की सामान्य प्रक्रिया बिना बाधा के चलती रहेगी.

एक देश एक चुनाव के विरोधी इसे संघीय ढांचे के ख़िलाफ़ और राज्यों की स्वायत्तता के विरुद्ध बताते हैं. एक देश एक चुनाव की प्रक्रिया में निश्चित रूप से विधानसभाओं का कार्यकाल कम या अधिक हो सकता है.कार्यकाल में कमी या अधिकता को एक देश एक चुनाव के विरोधी राज्यों के अधिकार का हनन मानते हैं. इसके विरोधी इसे संसदीय लोकतंत्र के लिए घातक कदम मानते हैं.

एक देश एक चुनाव की प्रक्रिया के विरोधी यह भी कहते हैं, कि राष्ट्रीय चुनाव, राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और राज्यों के चुनाव क्षेत्रीय मुद्दों पर होते हैं. जब चुनाव एक साथ होंगे, तब मुद्दों की राष्ट्रीय धारा ही प्रभावी रहेगी और क्षेत्रीय मुद्दों को नजरअंदाज किया जाएगा. यह एक तरह से देश में मुद्दों की तानाशाही स्थापित करने का प्रयास होगा, जो लोकतंत्र की आत्मा को लहूलुहान कर देगा.

एक देश एक चुनाव के लिए संविधान के संशोधन के जो विधेयक सदन में पेश किए गए हैं, उससे संघीय ढांचा और राज्य की स्वायत्तता कैसे प्रभावित होगी. यह बात समझ के परे है. इन संशोधनों के जरिए केवल यही प्रयास किया जा रहा है, कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ संपन्न कराए जाएं. पंचायत, नगरीय निकाय के चुनाव भी इससे जोड़कर कराए जा सकते हैं.

एक देश एक चुनाव से विकास का अवरोध अगर रुक सकता है, हमेशा देश में चुनावी मौसम अगर रोका जा सकता है, तो इससे जनहित को ही फायदा होगा.राजनीतिक दलों में टकराहट का जो लेवल है, उसको देखकर तो ऐसा नहीं लगता है, कि एक देश एक चुनाव पर कोई राजनीतिक आम सहमति बन पाएगी. बिना आम राय के इस ऐतिहासिक प्रावधान को लागू करना भी कठिन ही दिख रहा है. मोदी सरकार को अपनी ऐतिहासिक पहल को लागू करने के लिए उदारता पूर्वक राजनीतिक दलों को सहमत कराना होगा.

चुनाव सुधार की प्रक्रिया को कई राजनीतिक दल अपने विरोध में मानते हैं. एक देश एक चुनाव पर ही जब इस तरह की बाधा दौड़ चलेगी, तो फिर चुनाव सुधार के बाकी प्रयासों पर तो कोई पहल ही संभव नहीं हो सकेगी.राजनीतिक दल जिस तरह से अपने वेतन भत्तों के लिए विधेयक पारित करने में आम सहमति बना लेते हैं, वैसे ही चुनाव सुधार के प्रयासों के लिए भी आम सहमति बनानी होगी.

सुधार तो जीवंतता का प्रतीक है. सुधार तो होकर रहेगा, भले ही वक्त कितना भी बर्बाद हो. देश में जब-जब सुधार का कोई कदम उठाया गया है, तब-तब विरोध हुआ है, लेकिन देश के लोगों ने इसका भरपूर समर्थन भी किया है. एक देश एक चुनाव भी जन समर्थन का इतिहास रचेगा. इस इतिहास में आम सहमति का ओंकार सदन के सदस्यों का गौरव बढ़ाएगा.

गुड गवर्नेंस यानी सामने वाले की पीड़ा समझने के लिए टेबल के दूसरी तरफ बैठना

आनंद शर्मा

पिछले सप्ताह मध्यप्रदेश शासन ने सुशासन सप्ताह का आयोजन किया था । सुशासन दिवस अथवा 'गुड गवर्नेंस डे' 25 दिसंबर को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिवस पर आयोजित किया जाता है और इस वर्ष तो अटल जी के जन्म दिवस का शताब्दी वर्ष है। अटल जी जैसे महापुरुष के जन्मदिवस को याद करने के लिए इससे अच्छी श्रद्धांजलि नहीं हो सकती कि आमजन की तकलीफों को दूर करने के अभियान के साथ इसे जोड़ा जाए।

जिलों में इस अवसर पर पूर्व कलेक्टर्स को भी आमंत्रित किया गया और इसी संदर्भ में मुझे राजगढ़ से जिले के कार्यक्रम में आने का न्यौता मिला। राजगढ़ के कलेक्टर श्री गिरीश मिश्रा मेरी सागर की पदस्थापना में मेरे साथ रह चुके हैं और राजगढ़ से आने के बाद दुबारा मेरा जाना नहीं हुआ था, सो माँ जालपा के दर्शन की लालसा भी थी इन कारणों से उनका अनुरोध मैं अस्वीकार न कर सका। बहरहाल राजगढ़ में सुशासन दिवस पर शामिल होकर मुझे ये जान कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि गिरीश राजगढ़ जिले की जनता की सच्चे मन से, सहज भाव के साथ सेवा कर रहे हैं, जो हमारे प्रदेश के मुखिया मोहन यादव जी का मंतव्य भी है।

बतौर मुख्य अतिथि जब मेरे संबोधन का अवसर आया तो मैंने कलेक्टर और एसपी दोनों युवा अधिकारियों के साथ आयोजन में उपस्थित सभी अधिकारियों को एक ही बात कही और वो ये कि अधिकारियों को सामने वाले की पीड़ा समझने के लिए टेबल के उस तरफ़ बैठकर सोचना होगा, तभी सुशासन सही अर्थों में फलीभूत होगा। मैंने अपने कलेक्टर के कार्यकाल का एक किस्सा भी सबसे साझा किया जो आप सबसे भी साझा कर रहा हूँ।

हुआ यूँ कि एक दिन जब मैं अपने कार्यालय में बैठा आम जनता से मिल रहा था। एक नवजवान कमरे के अंदर आया और कहने लगा कि वह मुरैना से आया है और कई सालों की मशक्कत के बाद भी उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिल सकी है। मैं उन दिनों शासन के निर्देशों के अनुरूप अनुकंपा नियुक्ति के पेंडिंग प्रकरणों को निपटाने का अभियान चला रहा था। मैंने संबंधित विभाग के अधिकारी को संदर्भ बताकर बुलवा भेजा, तो उसने आकर कहा कि इनको तो नियुक्ति दे दी गई थी, ये ख़ुद ही नौकरी छोड़ कर चले गए और अब पुनः नियुक्ति माँग रहे हैं। मैं कुछ सोच में पड़ा तो विभागीय अधिकारी ने आगे कहा कि सर इनका केस तो वैसे भी हाईकोर्ट में पेंडिंग है इसलिए अब हम कुछ नहीं कर सकते, कोर्ट के आदेश के बाद ही कुछ किया जा सकेगा। मैंने उस नवजवान से कहा देखिए मामला कोर्ट में है, तो वो कहने लगा आप मेरी बात तो सुनिये 'मेरे पिता आदिम जाति विभाग में लिपिक के पद पर थे, पक्की नौकरी थी और नौकरी में रहते हुए ही उनकी मृत्यु हुई। मुझे इन लोगों ने अनुकंपा के नाम पर कंटिंजेंसी पद के विरुद्ध अस्थायी रूप से हॉस्टल में मज़दूर के रूप में नियुक्त कर दिया, जब मुझे समझ आया कि ये तो नियमित नियुक्ति नहीं है तो मैंने लिखित में आपत्ति दर्ज करते हुए पद से इस्तीफ़ा दिया।' मैंने फ़ाइल पढ़ी, नवजवान सही कह रहा था।

स्थानीय विभागीय अधिकारियों ने तत्समय स्थानीय स्तर पर पद न होने से कंटिनजेंसी पद पर नियुक्ति कर दी थी, जबकि निर्देश तो पक्की नौकरी देने के थे। उस पर जब आवेदक ने आपत्ति की तो ये कह दिया कि नौकरी तो एक बार ही देने का नियम है। शासन को भी प्रतिवेदन दे दिया कि आवेदक पात्रता नहीं रखता और हाईकोर्ट में शासन की ओर से इसी बात के साथ मुकदमा लड़ रहे थे। मैंने विभागीय अधिकारी से कहा ये सरासर आप लोगों को गलती है और शासन को भी आप लोगों ने अंधेरे में रखा है, इसे नियुक्ति देनी ही होगी, बताइए कितने पद रिक्त हैं?

विभागीय अधिकारी थोड़ी देर बाद पदों का विवरण तो ले आए पर नोटशीट में टीप लिख लाए कि आवेदक को नौकरी सात वर्षों तक ही दी जा सकती है और आवेदक के पिता की मृत्यु को ग्यारह साल हो गए हैं। अब मुझे उनकी हठधर्मिता पर क्रोध आया पर मैंने अपने आप को जब्त करते हुए कहा कि समय सीमा तब है, जब ये सात सालों तक बिना आवेदन दिए घर बैठा हो, ये तो लगातार गुहार लगा रहा है।

मैंने विभाग के कमिश्नर उमाकांत उमराव को फोन लगा कर पूरी स्थिति बतायी और निवेदन किया कि हम बेवजह के कारणों से मुकदमा लड़ रहे हैं , आवेदक पात्र है और मेरे सामने पदों के विवरण के अनुसार पद रिक्त है , तो मैं प्रतिवेदन भेज देता हूँ। आवेदक मुकदमा वापस लेगा इसी शर्त पर मैं इसे नियुक्ति दे देता हूँ। उमराव साहब मेरी बात से तुरंत सहमत हुए और कहा तुम प्रस्ताव भेज दो और समझ लो कि मंजूर हो गया है । मैंने विभागीय अधिकारी के द्वारा प्रस्तुत नोटशीट पर विस्तृत आदेश लिखा और उस दिन शाम को वो नवजवान नियुक्ति पत्र लेकर अपने घर रवाना हुआ।

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घटी कई घटनाओं ने भविष्य के लिए बड़े संकेत दिये हैं

नीरज कुमार दुबे

भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी।

साल 2024 देश दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। शांति को तरजीह देने की बात करने वाले इस विश्व में जहां इस साल और संघर्ष बढ़े वहीं मौसम ने भी ऐसा तपाया कि दुनिया में यह वर्ष सबसे ज्यादा गर्म के तौर पर दर्ज हो गया। भारत में साल की शुरुआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। आइये एक नजर डालते हैं बीत रहे साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर।

नरेंद्र मोदी: भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी लेकिन जनता ने उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को शासन करने के लिए स्पष्ट जनादेश दिया। भाजपा का अबकी बार 400 पार का नारा पूरी तरह विफल रहा और उसे सरकार चलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों का लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन रहा। खासतौर पर कांग्रेस ने एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 99 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की।

राहुल गांधी: साल 2024 कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए बेहद खास रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार वह केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से रिकॉर्डतोड़ मतों से जीते। अमेठी में गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा की स्मृति ईरानी को हरा दिया। बाद में राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सांसदी बरकरार रखी। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनाये गये जोकि उनके राजनीतिक जीवन में अब तक का सबसे बड़ा पद रहा।

अरविंद केजरीवाल: इस साल लोकसभा चुनावों से ठीक पहले शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ी राजनीतिक घटना रही। उन्होंने इस्तीफे की मांग को दरकिनार करते हुए जेल से सरकार चलाने का रिकॉर्ड भी बनाया। हालांकि जमानत मिलने पर बाहर आये केजरीवाल ने अपना इस्तीफा देकर आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को फिर से नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

ओडिशा की राजनीति: लोकसभा चुनावों के साथ हुए ओडिशा के विधानसभा चुनावों में इस बार बड़ा फेरबदल देखने को मिला। ओडिशा की सत्ता पर दो दशक से ज्यादा समय से काबिज नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को इस बार हार का सामना करना पड़ा। खुद दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने वाले नवीन पटनायक एक सीट पर चुनाव हार गये। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए राज्य में सरकार बनाई।

आंध्र प्रदेश में सत्ता परिवर्तन: 2024 में आंध्र प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ। लोकसभा चुनावों के साथ ही कराये गये आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में टीडीपी-जन सेना और भाजपा के गठबंधन ने कमाल कर दिखाया और अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। चंद्रबाबू नायडू राज्य के मुख्यमंत्री और जन सेना के पवन कल्याण उपमुख्यमंत्री बनाये गये।

हरियाणा विधानसभा चुनाव: लोकसभा चुनावों के ठीक बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले रहे। कांग्रेस के पक्ष में आंधी होने की खबरों के बीच भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटना राजनीतिक रूप से तो ऐतिहासिक रहा ही साथ ही इन परिणामों ने निराश महसूस कर रही भाजपा में नई जान फूंक दी। हरियाणा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेंगे तो कटेंगे का जो नारा दिया उससे हिंदू समुदाय भाजपा के पक्ष में एकजुट हो गया और इसका असर महाराष्ट्र में भी दिखाई दिया।

महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण: महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले रहे। खास बात यह रही कि लोकसभा चुनाव में जहां महाराष्ट्र में महायुति को निराशा हाथ लगी थी तो वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने दिल खोलकर भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को अपना समर्थन दिया। महाराष्ट्र में लगातार तीसरी बार भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। इस बार देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

झारखंड के नतीजों ने चौंकाया: झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए साल 2024 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साबित हुआ। साल 2024 में उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्होंने अपनी जगह चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। जमानत मिलने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर वापसी की तो चंपई सोरेन उनका साथ छोड़कर भाजपा में चले गये। इस साल विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और वह एक बार फिर मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पहले चुनाव: जम्मू-कश्मीर में भी इस साल विधानसभा के चुनाव कराये गये। यह चुनाव इस मायने में ऐतिहासिक रहे कि उम्मीदवारों की तो रिकॉर्ड संख्या रही ही साथ ही मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। एक दशक बाद हुए राज्य विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार जीत हासिल की और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने।

प्रियंका गांधी वाड्रा की नई पारी: यह साल गांधी परिवार के लिए काफी खास रहा क्योंकि जहां लोकसभा चुनावों से पहले सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा की सदस्यता हासिल की वहीं राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से चुनाव जीतने में सफल रहे। इसके अलावा, नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा भी संसदीय राजनीति में प्रवेश करने में सफल रहीं। लोकसभा चुनाव में दो सीटों से जीत हासिल करने के बाद जब राहुल गांधी ने वायनाड को छोड़ दिया तो वहां हुए उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की और पहली बार लोकसभा पहुँचीं।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा: साल 2024 की सबसे प्रमुख घटना 22 जनवरी को हुई जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। इस दौरान पूरा देश राममय हो गया था और दुनिया के हर कोने में मौजूद सनातनी जश्न मनाते दिखे। शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच रामलला अपने भव्य गर्भगृह में विराजमान हुए तो लगा कि त्रेता युग लौट आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष मुहूर्त में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की।

पेपर लीक के मामले सामने आये: इस साल पेपर लीक के कई मामले सामने आये। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के मामले भी सामने आये जिससे छात्रों के बीच रोष देखा गया और देशव्यापी प्रदर्शन भी हुए। खासतौर पर हृश्वश्वज्ञ (त) 2024 के परिणाम को लेकर काफी विवाद हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। इसके अलावा यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल, यूपी समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी, राजस्थान दरोगा भर्ती आदि कई परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक की घटनाओं ने व्यापक तौर पर असंतोष पैदा किया।

जम्मू में आतंकी हमले: इस साल जून में जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला कर दिया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 33 घायल हो गए। इसके अलावा भी जम्मू क्षेत्र में आतंक की कई घटनाएं देखने को मिलीं।

वायनाड में तबाही: जुलाई महीने में केरल के वायनाड में भारी बारिश के चलते कई जगहों पर भूस्खलन हुआ, जिसमें चार गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा पूरी तरह बह गए। इस घटना में सैंकड़ों लोगों की जान चली गई।

कोलकाता की हृदय विदारक घटना: इस साल कोलकाता से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त की रात को एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। डॉक्टर के शरीर पर चोट के निशान थे। जांच में पता चला कि डॉक्टर से बलात्कार के बाद हत्या की गई। इस घटना को लेकर देशभर में डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया।

हाथरस में भगदड़: उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में जुलाई महीने में एक धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद भोले बाबा नाम के व्यक्ति को न्यायिक आयोग के सामने पेश किया गया था।

संघर्षों में उलझी दुनिया: वैश्विक स्तर पर देखें तो इस साल रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास युद्ध तो चलता ही रहा साथ ही इजराइल-ईरान, इजराइल-लेबनान के बीच भी जमकर संघर्ष हुआ। इजराइल ने हमास और हिज्बुल्ला के शीर्ष नेतृत्व को पूरी तरह खत्म कर दिया। सीरिया में भी बशर अल असद का शासन खत्म हुआ। इसके अलावा, महंगाई तथा अन्य मुद्दों पर नाराजगी के चलते जनता ने ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार को सत्ता से हटा दिया। वहीं अमेरिका में सत्तारुढ़ दल की उम्मीदवार कमला हैरिस की बजाय जनता ने विपक्षी उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर राष्ट्रपति चुन लिया। साथ ही बोत्सवाना, पुर्तगाल, पनामा और दक्षिण कोरिया की सरकारों को भी जनता ने बदल दिया। इसके अलावा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और भारत में सत्तारुढ़ दलों को चुनावी झटके लगे। एकमात्र रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही दुनिया में ऐसे राजनेता रहे जोकि रिकॉर्डतोड़ मतों से जीत कर अपनी सत्ता बरकरार रखने में सफल रहे।

भारत के पड़ोसी देशों का हाल: इसके अलावा, भारत के पड़ोस में देखें तो चुनावों के बाद जहां पाकिस्तान और श्रीलंका में नई सरकार बनी वहीं नेपाल में प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली नये प्रधानमंत्री बने। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को विरोध प्रदर्शनों के आगे घुटने टेकने पड़े और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना अगस्त माह से ही भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बने।

अर्थव्यवस्था का मोर्चा: भारत की अर्थव्यवस्था इस साल भी तेजी से आगे बढ़ती रही और शेयर बाजार नई ऊँचाइयों पर पहुँचे। अर्थ जगत की बड़ी घटनाओं को देखें तो मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में देश-दुनिया की तमाम चर्चित हस्तियां जुटने से यह साल भर चर्चा में रही। इसके अलावा उद्योगपति गौतम अडाणी भी साल भर चर्चा में रहे। साल की शुरुआत में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई जिसके चलते यह समूह राजनीतिक विवादों के केंद्र में रहा तो साल के अंत में अमेरिकी कोर्ट में मुकदमे के चलते अडाणी समूह एक बार फिर सुर्खियों में आया। इसके अलावा देश के रतन माने जाने वाले टाटा समूह के चेयरमैन रतन टाटा का निधन इस साल की सबसे बड़ी घटनाओं में शुमार रही।

खेल और सिनेमा जगत: साल 2024 की बड़ी खेल खबरों की बात करें तो आपको बता दें कि इस साल टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप अपने नाम किया। इस साल हुए पेरिस ओलंपिक में भारत ने 6 पदक जीते। हालांकि भारत के हाथ ओलंपिक में एक भी गोल्ड नहीं आया। पेरिस ओलंपिक में विनश फोगाट के अयोग्य साबित होने के चलते भारत के हाथ से एक मेडल फिसल भी गया था। यह साल फिल्म जगत के कई सितारों के लिए खासा अहम रहा। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत, अभिनेता अरुण गोविल और सुरेश गोपी पहली बार चुनाव जीतकर लोकसभा पहुँचे तो वहीं मनोज तिवारी, हेमा मालिनी और रवि किशन ने एक बार फिर चुनाव जीतकर संसद में कदम रखा। मलयाली अभिनेता सुरेश गोपी तो केंद्र में राज्यमंत्री भी बनाये गये हैं।

बहरहाल, बीतते साल में जिस तरह कई पुरातन मंदिरों का पता चला है और लोग अपनी विरासत को सहेजने के लिए आतुर हो रहे हैं वह आने वाले साल में राजनीति की दशा दिशा बदल सकता है। देखना होगा कि आने वाले समय में भारत और विश्व की राजनीति क्या करवट लेती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नारायणगंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने दी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

मण्डला--भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक स्वर्गीय डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा बस स्टैंड परिसर में शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें कांग्रेस कमेटी के द्वारा उक्त शोकसभा में डॉ मनमोहन सिंह के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई इसके पश्चात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के द्वारा डॉ मनमोहन सिंह के राजनीतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों से 2 मिनट का मौन धारण करवाया ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की अपील की गई उक्त श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मगनलाल सोनी महामंत्री नरेश सोनी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी महामंत्री विपिन सोनी किसान कांग्रेस महामंत्री विपिन सोनी शहर कांग्रेस अध्यक्ष रुपेश अग्रवाल कार्यालय प्रभारी हृदय साहू मीडिया प्रभारी सागर सोनी यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष सेवादल बलराम साहू हनुमत चक्रवर्ती नंदकिशोर अग्रवाल राजेंद्र सोनी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष रितेश सोनी संदीप सोनी सुमित सोनी अशोक पड़वार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

31 दिसंबर को लेकर रायसेन आबकारी अमला सतर्क

ओबैदुल्लागंज (संवाददाता)- विशेष अभियान के तहत कलेक्टर अरविंद कुमार दुबे के निर्देशन मैं वंदना पाण्डेय सहायक आयुक्त आबकारी के आदेश से कंट्रोलर सुदीप तोमर सहायक जिला आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल के नेतृत्व मे आबकारी वृत्त ओबेदुल्लागंज, रायसेन की संयुक्त टीम का गठन किया गया जिसके द्वारा रायसेन, सांची, गौहरगंज, ओबेदुल्लागंज, मंडीदीप, गैरतगंज, बेगमगंज, बाड़ी, बरेली, उदयपुरा स्थित होटल ढाबो दबिश दी गयी जिसमे दर्जनों प्रकरण दर्ज हुए कई लोगो को मोके पर गिरफ्तार किया गया (31 दिसंबर और नए वर्ष को लेकर आबकारी विभाग इस बार सतर्क है और विशेष जागरूकता अभियान के तहत होटल ढाबा गार्डन पार्टी हॉल संचालको को विशेष अवसरो पर प्रदान किये जाने वाला एक दिवसीय लायसेंस(ग्नरु5) लेने के लिए जागरूक कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप 20 आवेदन लायसेंस लेने हेतु आबकारी विभाग को प्राप्त हुए है जिससे शासन को राजस्व की प्राप्ति तो होगी ही साथ ही साथ मदिरापान के अवैध स्थलों मैं कमी आएगी।

धान खरीदी की शिकायत निराधार पाई गई

मंडला/अजीत पटेल--जिला आपूर्ति अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में मनमाने तरीके से धान खरीदी संबंधी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से शिकायतकर्ता कृषक रंजीत पटेल, उमाकांत पटेल निवासी सिमरहा एवं जगत मर्सकोले निवासी सुर्खी के द्वारा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति टाटरी द्वारा संचालित धान उपार्जन केन्द्र इन्द्री की शिकायत की गई थी।उक्त संबंध में जांचकर्ता उपार्जन केन्द्र इन्द्री के नोडल अधिकारी द्वारा बताया कि जांच के दौरान कृषकों से संपर्क किया गया जिसमें कृषकों द्वारा कहा गया कि हमारी धान तौली जा चुकी है और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जो शिकायत हुई है वह हमारे द्वारा धान की यथा स्थान में खाली न करने के कारण व धान तुलाई की अंतिम तिथि की जानकारी न होने के कारण भूलवश हुई है जबकि शिकायतकर्ता उमाकांत पटेल की धान खरीदी केन्द्र में तुलाई के लिए आई नही है।जांच के दौरान उपार्जन केन्द्र में उपस्थित अन्य कृषकों से पूछताछ की गई जिसमें से किसी भी कृषक द्वारा असंतुष्टी का दावा पेश नहीं किया गया और न ही पैसों के लेन-देन की बात स्वीकार की गई।उक्त शिकायत निराधार पाई गई है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत् भक्ति ज्ञान यज्ञ 4 जनवरी से

छतरपुर। श्री लड्डू गोपाल मंदिर प्रांगण में आगामी 4 जनवरी से 10 जनवरी तक 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत भक्ति ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शहर के जाने माने अजयलाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरिता भव्य और विशाल आयोजन में मुख्य यजमान की भूमिका निभाएंगे। यहां श्री वृन्द्रावन धाम के भगवताचार्य पं. ओमप्रकाश शास्त्री जी अपने श्रीमुंख से 7 दिन तक श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे। लड्डू गोपाल मंदिर से जुड़े राकेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 4 जनवरी को कलश यात्रा के साथ पुराण बैठकी एवं श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा। 7 जनवरी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 8 जनवरी को गोवर्धन पूजा, 9 जनवरी को श्रीकृष्ण रूकमणि विवाह महोत्सव, 10 जनवरी को सुदामा चरित्र एवं कथा विश्राम तथा 11 जनवरी को पूर्णाहुति हवन के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान यज्ञ के मुख्य यजमान अजयलाल व राकेश तिवारी ने सभी श्रद्धालुओं से उक्त आयोजन में सपरिवार पधारकर भक्ति लाभ लेने की अपील की है।

गहोई दिवस की तैयारी प्रारंभ सामूहिक विवाह होंगे

छतरपुर द्य हर वर्ष की तरह गहोई समाज का वार्षिक आयोजन गहोई दिवस 19,20 एवं 21 जनवरी 2025 को रखा गया है। इस सम्बन्ध में समस्त तैयारिया जोरों पर है।आयोजन समिति की कार्यकारणी नगर गहोई वैश्य समाज के अध्यक्ष प्रेमनारायण रूसिया, आयोजन समिति अधिक के.के. वृजपुरिया बन्धुको के घरो पर सम्पर्क प्रारंभ कर दिया है। आयोजन समिति ने बताया की इस वर्ष गहोई दिवस की सहयोग राशि के साथ सदस्यता शुल्क भी साथ में ली जा रही है। अत॰ अगामी चुनाव में यही सूची मतदाता सूची भी कहलायेगीद्य श्री रूसिया ने बताया की जो लोग अपने परिवार के अन्य सदस्य को जो मतदान के लिये आहर्ता पूर्ण करते है। वह भी सदस्यता शुल्क प्रदान कर सदस्य ले सकते हैं। रविवार दिनांक 19 जनवरी 2025 आयोजन के प्रथम दिन सूर्य नारायण एवं लड्डू?? गोपाल की भव्य शोभायात्रा से यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा जो बुन्देलखण गैरेज से गहोई धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया आज

58 सदस्य करेंगे भाजपा जिला अध्यक्ष की लिए रायशुमारी

मंडला/अजीत पटेल। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया मंडला जिले में 29 दिसंबर को प्रातः 11॰00 से भाजपा जिला कार्यालय में आरंभ होगी।नए जिला अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया में जिले की चुनाव पर्यवेक्षक श्रीमती लता एलकर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी पूरी निर्वाचन कार्य को संपादित करेंगी।चुनाव प्रक्रिया के व्यवस्थापक के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी रहेंगी।जिला अध्यक्ष के निर्वाचन मैं भाग लेने जिले से 58 सदस्य अपेक्षित हैं जिसमें सांसद,विधायक पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष-उपाध्यक्ष मंडल अध्यक्षगण मंडल जिला प्रतिनिधिगण संगठन संभाग प्रभारी संगठन जिला प्रभारी की श्रेणी तय की गई है इसके साथ जिले में निवासरत भाजपा के राष्ट्रीय,प्रदेश पदाधिकारी भी अपेक्षित हैं।

अपना मत लिफाफे में बंद कर निर्वाचन अधिकारी को देना होगा

भारतीय जनता पार्टी जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया भाजपा जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी व निष्पक्ष बनाने के लिए प्रदेश संगठन ने कुछ मापदंड तय किए हैं जिसके तहत आपेक्षिक सदस्य भाजपा जिला अध्यक्ष हेतु अपनी पसंद के तीन नाम पर्ची में लिखेंगे इसके अलावा महिला सदस्य का नाम सुझाव के रूप में लिखाना होगा इस पर्ची को लिफाफे में बंद कर निर्वाचन अधिकारी को सौंपेंगे।जिला अध्यक्ष पद हेतु जो कार्यकर्ता प्रतिस्पर्धा में हैं इनके अलावा जिला अध्यक्ष के पद हेतु अहर्ता रखने वाले भाजपा के सक्रिय सदस्य जिसकी उम्र 45 वर्ष से 60 वर्ष की है वे भी अपना आवेदन, बायोडाटा निर्वाचन अधिकारी को सौंप कर रजिस्टर में अपना नाम अंकित करा सकता है।

पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा आयुष्मान कार्डधारी मरीज के लिए बनी वरदान

कलेक्टर के निर्देशन में जिले के पांचवें मरीज को मिला योजना का लाभ

छतरपुर। पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा आयुष्मान कार्डधारी मरीज के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे मरीज को अति आकस्मिक स्थिति में और बेहतर उपचार के लिए रैफर होने में तत्काल मदद मिलती है और कम समय में मरीज को एयर एंबुलेंस के माध्यम से रैफर किया जाता है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन और अनुमति पर जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती आदर्श पाण्डेय पिता प्रवीण कुमार पाण्डेय उम्र 14 साल निवासी बजरंग नगर छतरपुर को सड़क दुर्घटना में गंभीर हालत के पश्चात् जिला अस्पताल से एम्बुलेंस के माध्यम से खजुराहो एयरपोर्ट लाया गया और यहां से एयर एम्बुलेंस के माध्यम से भोपाल उपचार के लिए भेजना गया। मरीज को पहले जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। जहां डॉ. आर.के. धमनिया ऑर्थोपेडिक द्वारा मरीज को देखा गया। इस दौरान मरीज की तबीयत बिगड़ रही थी लेकिन वाईटल स्टैबल थे। मरीज की गंभीर स्थिति के बारे में सिविल सर्जन डॉ. जीएल अहिरवार के संज्ञान में आया जिसकी सी.एम.एच.ओ डॉ. आर.पी.गुप्ता से चर्चा की गई एवं मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रैफर करने का निर्णय लिया गया। मरीज को बंसल हॉस्पिटल भोपाल में उपचार के लिए सर्जन विशेषज्ञ द्वारा रैफर किया गया और मरीज को 26 दिसम्बर 2024 की रात्रि 2 बजे खजुराहो एयरपोर्ट से एयर एम्बुलेंस के माध्यम से भोपाल भेजा गया। मरीज के परिजनों ने इस योजना के लिए सरकार का आभार जताया है।

राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए जरुरी खबर, 15 फरवरी तक करना होगा ये काम, वरना रुक सकता हैं वेतन

बिहार राज्य के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए एक अहम सूचना आई है। अगर आपने अभी तक अपनी संपत्ति का विवरण जमा नहीं किया है, तो आपको इसे 15 फरवरी 2025 तक जरूर सौंपना होगा, नहीं तो आपका वेतन रुक सकता है। इस दिशा में सामान्य प्रशासन विभाग ने एक आधिकारिक आदेश जारी किया है, जिससे यह प्रक्रिया और भी जरूरी हो गई है। आइए जानते हैं इस आदेश की पूरी जानकारी।

बिहार सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपनी संपत्ति का विवरण 15 फरवरी 2025 तक जमा करें। अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी इस तय सीमा तक अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के अनुसार, समय सीमा का पालन नहीं करने पर वेतन भुगतान रोकने की संभावना भी जताई गई है।

यह नियम बिहार सरकार के सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर लागू होगा, चाहे वे किसी भी विभाग में काम कर रहे हों। विशेष रूप से, निम्नलिखित कर्मचारियों को इस आदेश का पालन करना होगा॰

बिहार संवर्ग के द्वरू अधिकारी और राज्य में प्रतिनियुक्ति पर तैनात केंद्रीय सिविल सेवा के अधिकारी भी इस आदेश के दायरे में आएंगे।

संपत्ति विवरण जमा करने के लिए एक निर्धारित फॉर्म तैयार किया गया है, जो सामान्य प्रशासन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। सभी कर्मचारियों को इस फॉर्म को भरकर अपनी संपत्ति का पूरा विवरण विभाग को सौंपना होगा।

यह प्रक्रिया सालाना रूप से हर सरकारी कर्मचारी के लिए अनिवार्य होती है, और इस बार भी सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर पत्र जारी किया है। विभाग ने अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, सभी विभागों के अध्यक्ष, प्रमंडलीय आयुक्त और जिले के छ्रुको यह पत्र भेजा है और उन्हें समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी संपत्ति का विवरण समय पर नहीं देता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा, वेतन रोकने के साथ अन्य दंडात्मक कदम भी उठाए जा सकते हैं। इसलिए यह सभी कर्मचारियों के लिए एक गंभीर मामला है, और उन्हें इस आदेश का पालन करना अनिवार्य होगा।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के शेष कार्यों को दस दिवस में करें पूर्ण- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में कार्ययोजना अनुसार फ्रंट एरिया डेवलपमेंट का कार्य करायें। पूर्व से निर्मित गौ शेड, भूसा शेड सहित अन्य सभी भवनों का रंग रोगन व मेंटीनेंस कराते हुए शेष निर्माणाधीन कार्यों को आगामी दस दिवस में अनिवार्यत॰ पूर्ण करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में गौवंश वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की प्रदेश में अपनी पहचान है। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान देश के महान मनीषी स्वामी अवधेशानंद गिरिजी, स्वामी रामदेव तथा पूज्य मोरारी बापू भी हेलीकाप्टर से बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आयेंगे तथा संपूर्ण वन्य विहार का भ्रमण करेंगे अत॰ नियत समय में सभी कार्य पूरे हो जांय और गौवंश वन्य विहार आकर्षक व अप्रतिम दिखे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में गोबर व गोमूत्र से निर्मित सामग्री को विक्रय किये जाने के लिये संबंधित संस्थानों से अनुबंध किये जाने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आर्थिक संसाधन हासिल कर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है अत॰ उत्पाद सामग्री का क्रय कराया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने गौवंश वन्य विहार के लिये आवंटित चरनोई भूमि में चारा उत्पादन करने व विक्रय करने का दायित्व एफपीओ के माध्यम से कराने की बात कही ताकि इससे भी आमदनी हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में सोलर पैनल लगाकर ऊर्जीकृत करने तथा मृत पशुओं के लिये निष्पादन इकाई लगाये जाने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने हिनौती गौधाम में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिला चिकित्सालय रीवा में सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर में अब अत्याधुनिक मशीनों से नेत्र रोगियों का उपचार होगा तथा जटिल नेत्र सर्जरी भी की जायेगी। इस सुविधा के हो जाने से अब नेत्र रोगियों को अत्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया तथा ऑपरेशन थियेटर की सुविधाओं का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में नेत्र विभाग के ऑपरेशन थियेटर को 76 लाख रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त बनाकर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन ओपीडी तथा चिकित्सालय विस्तार भवन का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने को निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये। अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. एमएल गुप्ता उपस्थित थे।

नोटिस तक सीमित अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई, सवाल यह है कि क्या सिरोंज में अभी आगे बढेगी कार्रवाही

सिरोंज। अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलने की कार्रवाई ने जिलेभर में भूचाल ला दिया है। सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों और अवैध कॉलोनी बेचने वालो के खिलाफ प्रशासन की इस मुहिम को जनता ने सराहा जरूर है, लेकिन सवाल अब भी बरकरार है-क्या यह अभियान अपने अंजाम तक पहुंचेगा? या फ्रि रसूखदारों के सूटकेस की चमक इसे ठंडे बस्ते में डाल देगी। 166 अवैध कॉलोनियों पर निशाना, लेकिन क्या यह काफ्री है।

प्रशासन ने 166 अवैध कॉलोनियों को चिह्नित कर 56 कॉलोनियों पर तत्काल कार्रवाई शुरू की है बुलडोजर की दहाड़ और कड़ी निर्देशों की खबरों ने जहां भू-माफ्रिआओं में खौफपैदा किया है, वहीं जनता की उम्मीदों को भी पंख लगाए हैं। लेकिन सिरोंज के लोग अतीत के अनुभवों से वाकिफहैं- क्या प्रशासन वाकई कानून का लोहा मनवाएगा, या बड़े मगरमच्छ फ्रि बच निकलेंगे।

प्रशासन की साख पर बड़ा सवाल-अगर यह मामला भी अन्य अभियानों की तरह बीच में रुक गया, तो प्रशासन की साख को गहरा झटका लगेगा। जनता का विश्वास डगमगा जाएगा. और भूमाफ्रिआओं का हौसला और बढ़ेगा। प्रशासन के पास यह सुनहरा मौका है कि वह कानून के प्रति अपनी निष्ठा को साबित करे।

सवाल एक ही है - क्या कानून की ताकत, रसूख और पैसे से बड़ी साबित होगी? इसका जवाब आने वाले दिनों में प्रशासन के फैसलों से मिलेगा। सिरोज की जनता बस एक बात चाहती है-न्याय हो, दिखावा नहीं। सिरोज का भविष्य अब प्रशासन के हाथों में है। 12 नवंबर को श्दैनिक अमराई समाचारश् में प्रकाशित खबर ष्सरकारी जमीनों पर भूमाफ्रिआओं का कब्जाष् ने प्रशासन को नींद से जगाया। न केवल जनता की आवाज को मजबूत किया, बल्कि कलेक्टर को भी तत्काल कार्रवाई करने पर मजबूर किया बुलडोजर की गूंज ने यह साबित कर दिया कि मीडिया की ताकत से बड़े बदलाव आ सकते हैं।

कानून बनाम रसूख - किसकी होगी जीत - ऐसे मामलों में अक्सर देखा गया है कि कार्रवाई की शुरुआत तो जोरदार होती है, लेकिन जैसे-जैसे रसूखदारों के पैसे और दबाव बढ़ते हैं, फ्राइलें ठंडी पड़ जाती हैं। सिरोज की जनता सवाल कर रही है-क्या प्रशासन बड़े नामों पर भी शिकंजा कसेगा, या केवल छोटे खिलाड़ियों को ही निशाना बनाया जाएगा?

फैसला जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का अब सिरोज की जनता कार्रवाई के हर कदम पर नजर रख रही है। बुलडोजर की दहाड़ के साथ न्याय का परचम लहराने का वक्त है।

कॉलेज चलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश जारी

सिरोंज। विदिशा प्रदेश के समस्त जिलों में 23 दिसंबर से कॉलेज चलो अभियान का प्रारम्भ किया गया है। अभियान का उद्देश्य 12 वी उत्तीर्ण समस्त विद्यार्थियों का उच्च शिक्षा संस्थानों में शत प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कर सकल नामांकन अनुपात की दर में वृद्धि करना है। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु जिला स्तर पर अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। जिसके अनुसार जिला पंचायत सीईओ जिला स्तर पर कालेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी होंगे।

प्रथम चरण में सभी स्तरों पर प्रचार अभियान और योजना के प्रभाव का आकलन प्रति माह करेंगे । प्रथम चरण की समाप्ति पर 31 जनवरी को समेकित डेटा राज्य शासन को प्रेषित करेंगे। द्वितीय चरण की रिपोर्ट 30 अप्रेल को सभी स्तर पर ड्रॉप आउट छात्रों की सूची और तैयारियों की ममेकिंत्त रिपोर्ट राज्य शासन को प्रस्तुत करेंगे। तृतीय चरण में नामांकन डेटा की साप्ताहिक समीक्षा करेंगे तथा गमेरिल रिपोर्ट राज्य शासन को 30 जुलाई तक प्रस्तुत करेंगे ।

अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी संयुक्त रूप से कालेज चलो अभियान के सहायक नोडल के रूप में कार्य करेंगे ।प्रथम चरण में विद्यालयों और महाविद्यालयों में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेंगे । जनसम्पर्क विभाग से समन्वय कर सोशल मीडिया अभियान को प्रभावी बनायेंगे। अभियान की साप्ताहिक समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।द्वितीय चरण में 30 अप्रैल तक जिले के ड्राप आउट विद्यार्थियों की सूची तैयार कर नोडल अधिकारी को प्रेषित करेंगें एवं विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु सहयोग प्रदान कर प्रोत्साहित करेंगें ।

तृतीय चरण में शेष छात्रों को शामिल करने की विशेष योजना बनायेंगे तथा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान नामांकित विद्यार्थियों की जानकारी प्रति ममाह नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करेंगें । तीस जुलाई तक समग्र प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे । ब्लाक स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी ब्लाक स्तरीय नोडल के रूप में कार्य करेंगे तथा ब्लाक में स्थित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं ब्लाक शिक्षा अधिकारी सहायक नोडल होंगे प्रथम चरण में ब्लाक स्तर पर अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करेंगे। क्षेत्रीय निरीक्षण कर कार्यक्रमों की सफ्लता का मूल्यांकन करेंगे। द्वितीय चरण में ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की सूची तैयार कर ड्रॉपआउट की रोकथाम के लिए किये गए प्रयासों की प्रगति मे नोडल अधिकारी को प्रति सप्ताह रिपोर्ट भेजेंगे।तृतीय चरण में नामांकन प्रक्रिया की प्रभावशीलता का निरीक्षण तथा अभिभावकों एवं छात्रों से फ्रीडबैक प्राप्त कर समस्त पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु महयोग प्रदान कर प्रति सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगें ।

2 दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर : साढ़े 13 सौ मरीजों का हुआ उपचार, इलाज लिए भेजा भोपाल

सिरोंज। दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में इलाज करवाने के मरीज का मेला लग गया पहले दिन शिविर में 1350 मरीज उपचार करवाने के लिए पहुंचे 20 कैंसर के रोगी भी चिन्हित किए गए एवं 24 मरीजों की हालत गंभीर होने पर निशुल्क में उपचार करवाने के लिए एंबुलेंस से भोपाल भिजवाकर का उपचार भी इनका प्रारंभ करवाया गया। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करने के लिए क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा पहुंचे उन्होंने कहा कि बहुत ही अच्छा प्रयास किया गया इसकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। शिविर में भोपाल के बड़े-बड़े डॉक्टर के द्वारा यहां पर आकर उपचार किया जा रही है । डॉ संजीव माथुर ने बताया कि सेवा भारती मध्यप्रांत सिरोंज तथा संजीवनी अस्पताल के द्वारा मानव सेवा के उद्देश्य को लेकर किया जाएगा सुबह 11 बजे से लेकर 5 तक डॉक्टरों अलग-अलग काउंटरों पर मरीजों की जांच की दवाई भी उपलब्ध कारण गंभीर मरीजों को सलाह और उपचार के बाद गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को भोपाल मैं भर्ती कराया गया है इनको ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी निशुल्क में क गई। जिंदल हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने उपचार किया इसमें कैंसर, हृदय रोग, नेत्र रोग, कैंसर स्पेशलिस्ट , न्यूरोलॉजिस्ट, हड्डी रोग, स्त्री रोग मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉक्टर की टीम ने काम किया । उपचार शिविर में प 9रू बजे से ही लोगों के आने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था चारो मरीज ही मरीज दिखाई दे रहे थे। इससे पहले जितने भी शिविर लगे उनमें 100, 200 लोग आते थे। पर पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोग इलाज करवाने पहुंचे।

योजना से दूसरों को रोजगार देने में सक्षम हुआ हितग्राही

सिरोंज। अनुसूचित जाति विकास एवं जनजातीय कार्य विभाग के माध्यम से क्रियान्वित संत रविदास स्वरोजगार योजना से लाभांवित हितग्राही श्री ध्यानदास पंथी, दूसरो को रोजगार देने में सक्षम हुए है। सिरोंज रोहिलपुरा चौराहा आरोन रोड के रहने वाले लाभांवित हितग्राही श्री पंथी का कहना है कि योजना ने मेरे साथ-साथ परिवार के जीवन को परिवर्तित कर दिया है। अब चहुंओर मेरे रोजगार से साख में वृद्धि हुई है। हर रोज रोजगार के लिए इधर-उधर भटकता था ऐसे समय मुझे पता चला कि शासन की योजना से लोन लेकर रोजगार संचालन की पहल की जा रही है। मैं तहसील कार्यालय में पहुंचा तो मुझे जानकारी मिली की अनुसूचित जाति वर्ग के नागरिकों हेतु अनुसूचित जाति विकास एवं जनजाति कार्य विभाग के माध्यम से संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत अनुदान पर रोजगार के लिए बैंक के माध्यम से ऋ्रण दिया जा रहा हैं।

मसाला उद्योग इकाई की स्थापना मेरे द्वारा की गई और शुद्ध मसाला घर-घर बेंचने से मेरा संपर्क बढा और विक्रय में वृद्धि होती गई। दिन प्रतिदिन मसाले की मांग होने पर मैंने दूसरे अन्य लोगो को अपनी मसाला इकाई में काम करने के लिए रखने लगा अब तक सात महिलाएं मेरे मसाला उद्योग में आठ से दस घंटे तक काम कर रही है और उन्हें हर महीने से दस से 15 हजार रूपए हर एक को वेतन के रूप में दे रहा हूॅ।

मजदूरी के लिए इधर-उधर भटकने वाला ध्यानदास पंथी अब स्वंय ही दूसरो को मजदूरी देने में सक्षम हुआ है वहीं महिलाओं को रोजगार देकर महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र को बढावा दे रहा है। मसाला उद्योग व्यवसाय से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है वहीं सभी खर्च निकालने के बाद हर महीने चालीस से पचास हजार रूपए की आमदनी हो रही है। हितग्राही ध्यानदास पंथी के द्वारा जनारी मसाला उद्योग का संचालन किया जा रहा है इसके लिए बकायदा उन्होंने आटो क्रय कर हर रोज मसाला हल्दी, मिर्च, धनिया की होम डिलेवरी के साथ-साथ अब विभिन्न प्रकार के अचार, मसालो का उत्पादन कर हर रोज क्विंटल की तादाद में विक्रय कर रहे है विदिशा जिले में जनारी मसाला उद्योग के द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के मसाले की अपनी अलग पहचान है ।

सोशल मीडिया से

अति सुन्दर ,सनातन घड़ी ? ?

12.00 बजने के स्थान पर आदित्य लिखा हुआ है जिसका अर्थ यह है कि सूर्य 12 प्रकार के होते हैं।1.00 बजने के स्थान पर ईश्वर लिखा हुआ है इसका अर्थ यह है कि ईश्वर एक ही प्रकार का होता है। एको ब्रह्म द्वितीयो नास्ति। 2.00 बजने की स्थान पर पक्ष लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि पक्ष दो होते हैं 1 कृष्ण पक्ष और दूसरा शुक्ल पक्ष।3.00 बजने के स्थान पर अनादि तत्व लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि अनादि तत्व 3 हैं। परमात्मा, जीवात्मा और प्रकृति ये तीनों तत्व अनादि है ,4.00 बजने के स्थान पर वेद लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि वेद चार प्रकार के होते हैं -- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। 5.00 बजने के स्थान पर महाभूत लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य है कि महाभूत पांच प्रकार के होते हैं। पांच महाभूत हैं - सत्वगुण, रजगुण, कर्म, काल, स्वभाव÷6.00 बजने के स्थान पर दर्शन लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि दर्शन 6 प्रकार के होते हैं । छः दर्शन सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त के नाम से विदित है।7.00 बजे के स्थान पर धातु लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि धातु 7 हैं। सात धातुओं के नाम

रस .प्लाज्मा रक्त . खून (ब्लड), मांस.मांसपेशियां, मेद . वसा (फैट), अस्थि. हड्डियाँ, मज्जा . बोनमैरो, शुक्र . प्रजनन संबंधी ऊतक

8.00 बजने के स्थान पर अष्टांग योग लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि योग के आठ प्रकार होते है। योग के आठ अंग हैं- 1) यम, 2) नियम, 3) आसन, 4) प्राणायाम, 5) प्रत्याहार, 6) धारणा 7) ध्यान 8) समाधि 9.00 बजने के स्थान पर अंक लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि अंक 9 प्रकार के होते हैं। 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10.00 बजने के स्थान पर दिशाएं लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि दिशाएं 10 होती है। 11.00 बजने के स्थान पर उपनिषद लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि उपनिषद 11 प्रकार के होते हैं।

भरत द्वारा ब्राह्मण वर्ण की स्थापना

आचार्य जिनसेन के अनुसार महाराज भरत जब चक्रवर्ती पद से अलंकृत हुए तो उनके मन में विचार आया कि उन्हें अपने विपुल वैभव, साधन एवं सम्पत्ति का उपयोग जन समाज के लिए हितकर किसी कल्याणकारी कार्य में करना चाहिए। इसके साथ ही उनके मन में यह भी विचार आया कि बुद्धिमान, बुद्धिजीवी लोगों का एक वर्ग ऐसा तैयार करनाचाहिए जो शेष त्रिवर्ग के नैतिक जीवन-निर्माण में बौद्धिक सहयोग प्रदान करे, जिससे समाज अभ्युन्नति के पथ पर अग्रसर होता रहे।उन्होंने समस्त शिष्ट लोगों को अपने यहाँ आमंत्रित किया। उनकेमार्ग में हरी घास बिछ्वा दी। अधिकतर लोग इसका अर्थ और आशय समझ नहीं पाए और हरी घास पर चलकर भरत के प्रासाद में चले गए। विवेकशील लोगों के मन में यह विचार आया कि हरी घास में जीव हैं जो हमारे चलने से मर जायेंगे अथवा पीड़ा का अनुभव करेंगे ।लोग बाहर ही खड़े रहे। महाराज भरत ने उनकी दया भावना की सराहना की और उन्हें दूसरे मार्ग से प्रासाद में बुलाया और सम्मानित कर पाहलअर्थात %ब्राह्मण की संत्रा से सम्बोधित किया।आवश्यक पूर्णि के अनुसार भरत अपने 98 भाइयों के प्रवज्याकरने की बात से अधीर हो उठे और मन में सोचने लगे कि इतनी अतुल संपदा किस काम की जो अपने स्वजनों के काम भी न आ सके ।जब भगवान विनीता नगरी आए तो भरत ने अपने दीक्षित भाईइयों को सुख भोग के लिए आमंत्रित किया पर उन्होंने त्यागे हुए भीगों को ग्रहण करना

स्वीकार नहीं किया। तब भरत ने उन परिग्रह त्यागी मुनियों का आहारदानआदि के द्वारा सत्कार करना चाहा तो प्रभु ने कहा कि साधुओं के लिए बना हुआ या लाया हुआ आहार ग्राह्य नहीं है। तब भरत ने प्रार्थना की ।ऐसी थित से मेरे लिए बना हुआ आहार स्विकार किया जाए तो उन्होंने उसे भी %राजपिण्ड कहकर अग्राह्य बताया। जब भरत ने पूछा कि श्रमणों के लिए लाए गए इस आहार- पानादि का सदुपयोग कैसे हो तो देवेन्द्र ने कहा कि जो भी तुमसे गुणों में अधिक हो, उन्हें यह सामग्री देकर आदर-सत्कार करो। भरत ने सारी सामग्री श्रावकों को दी और कहा कि आप लोग अपनी जीविका के लिए कोई व्यवसाय न करें, आपका कार्य शास्त्रों का श्रवण, अध्ययन, पठन,मनन तथा गुरु की सेवा करना मात्र है। आपकी जीविका की व्यवस्था राज्य की ओर से होगी। इस प्रकार जो श्रावक जीविका के लिए आते,÷माहण÷ ÷माहन% कहते और भोजन ग्रहण करते। धीरे-धीरे इस प्रकार जीविका के लिए आने वालों की संख्या निरन्तर अप्रत्याशित रूप सेबढ़ने लगी तो भरत ने आदेश दिया कि व्यवस्थापक लोग आगन्तुकों सेपूछताछ कर पता लगाएँ और केवल श्रावकों को ही आहार प्रदान करें।पूछताछ के दौरान जो लोग सही और योग्य प्रतीत होते उन्हें महाराज के पास पहुँचाया जाता और महाराज उन्हें कांकिणी रत्न से चिह्नित करते थे

लोग तथा इनके पुत्र-पौत्र परिग्रह की प्रवृत्तियों से अलग रहकर लोगों को ÷शाहन÷ ÷माहन÷ ÷हिंसा मत करो÷ का उपदेश देते। इस प्रकार ÷माहण% लोग उत्पन्न हुए जो कालान्तर में ÷ब्राह्मण÷ कहे जाने लगे। भरत द्वारा प्रत्येक श्रावक के देव, गुरु, धर्म अथवा ज्ञान, दर्शन और चारित्ररूपी रत्नत्रय की आराधना के कारण कांकणी रत्न से तीन रेखा खींची जाती, जो आगे चलकर यज्ञोपवीत के रूप में परिवर्तित हुई। इस प्रकार ब्राह्मण वर्ण की उत्पत्ति हुई। इस तरह भगवान आदिनाथ से लेकर भरत चक्रवर्ती के राज्यकाल तक चार वर्णों की स्थापना हुई।

सुगालचंद जैन , चेन्नई ।

एनपीसी ने विस चुनाव5 के लिए प्रत्याशियों की पहली लिस्ट की जारी

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में पार्टी ने कुल 11 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है, जिनमें दिल्ली की विभिन्न विधानसभा सीटों से उम्मीदवार शामिल हैं।

पार्टी ने जिन प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैंःसीमापुरी - राजेश लोहिया, छत्तरपुर - नरेंद्र तंवर, बुराड़ी - रतन त्यागी,बादली - मुलायम सिंह, मंगोलपुरी - खेमचंद, चांदनी चौक - खालिद उर रहमान, बल्लीमारान - मोहम्मद हारून, संगम विहार - कमर अहमद, लक्ष्मी नगर - नामाहा,गोकुलपुरी - जगदीश भगत इस लिस्ट में दिल्ली की विभिन्न विधानसभा सीटों से प्रत्याशियों का चयन किया गया है। खास बात यह है कि गोकुलपुरी और सीमापुरी सीटें आरक्षित हैं, जिनसे एनसीपी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है।

तीसरे पक्ष के ऐप के माध्यम से यूपीआई भुगतान ,देखें आरबीआई की गाइड लाइन

आरबीआई ने यूपीआई पेमेंट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अब प्रीपेड कार्ड धारक तीसरे पक्ष वाले ऐप

नई दिल्ली। आरबीआई ने यूपीआई पेमेंट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अब प्रीपेड कार्ड धारक तीसरे पक्ष वाले ऐप के जरिए यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। आरबीआई ने थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) एक्सेस की अनुमति दे दी है। इससे गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे प्रीपेड उत्पाद धारकों को ज्यादा सुविधा होगी।

यूपीआई के जरिए भुगतान सक्षम आरबीआई ने जारी परिपत्र में कहा है कि तीसरे पक्ष वाले यूपीआई ऐप के जरिए पूर्ण-केवाईसी वाले प्रीपेड भुगतान उपकरणों से यूपीआई के जरिए भुगतान को सक्षम बनाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह पीपीआई को यूपीआई भुगतान पाने की भी मंजूरी दी गई है। इस तरह के लेनदेन को यूपीआई प्रणाली तक पहुंचने से पहले पूर्व-अनुमोदित किया जाएगा।

कौन कर सकता है प्रयोग

रिजर्व बैंक के मुताबिक एक पीपीआई जारीकर्ता अपने ग्राहक को यूपीआई हैंडल से जोड़कर केवल अपने पूर्ण-केवाईसी वाले पीपीआई धारकों को यूपीआई के जरिए भुगतान करने में सक्षम करेगा। जारीकर्ता के एप्लिकेशन पर पीपीआई से यूपीआई लेन-देन ग्राहक के मौजूदा पीपीआई पहचान का उपयोग करके प्रमाणित किया जाएगा। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में पीपीआई जारीकर्ता को किसी भी बैंक या किसी अन्य पीपीआई जारीकर्ता के ग्राहकों को अपने साथ नहीं जोड़ना चाहिए।

बता दें कि पीपीआई ऐसे उपकरण हैं जो वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद, वित्तीय सेवाओं के संचालन और उसमें संग्रहीत मूल्य के विरुद्ध धनप्रेषण की सुविधाओं को सक्षम करते हैं। वहीं, यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा मोबाइल फोन के जरिए अंतर-बैंक लेनदेन की सुविधा के लिए विकसित एक त्वरित वास्तविक समय पर भुगतान की प्रणाली है।

बीएमए व्याख्यानमाला

साइबर अपराधियों के शिकंजे से कैसे बचे

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने मासिक व्याख्यान श्रंखला के अंर्तगत साइबर अपराधियो के शिकंजे से कैसे बचे विषय पर विशेषज्ञ वक्ता अधिवक्ता योगेश पंडित का व्याख्यान होटल मयूर पैलेस में आयोजित किया गया ।

कॉलिंग अरेस्ट पर सतर्कता बरतने और इससे निपटने के उपाय बताए उन्होंने आजकल चल रही मोबाइल और अनजान लोगो के फोन कॉल द्वारा कैसे लोगो को ठगी की जा रही है एलसीडी द्वारा प्रस्तुति कर अवगत कराया और फोन कॉल पर क्या करना चाहिए यह भी बताया।

उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया बताया कि साइबर अपराध की तत्काल रिपोटिंग 1930 एवम 112 पर की जानी चाहिए

कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष सुनील भार्गव ने वक्ता योगेश पंडित और सदस्यों का स्वागत किया और निरंतर वाख्यान माला के सफलतपूर्वक चलते रहने पर सभी को धन्यवाद दिया आभार प्रदर्शन मानद सचिव आदित्य गुप्ता द्वारा किया गया संचालन प्रलक्षा सोनी ने किया कार्यक्रम में 70 से अधिक सदस्य एवम ओरिएंटल, सेज , आईएएस के छात्र उपस्थित रहे

मप्र की प्रतिभाओं , संगीतकार एस आर डेहरिया , गायिका आकृति मेहरा और अभिनेत्री मुस्कान बामने ने मुंबई में नया गीत तुम से मोहब्बत किया लांच

एल्बम में भोपाल के कई लोकल कलाकारों को मिला अवसर

भोपाल हेडलाइंस इस गाने का निर्देशन जाने-माने निर्देशक नितेश तिवारी ने किया है। गाने को बॉलीवुड के बेहतरीन गायकों मुंबई के अल्तमश फरीदी और भोपाल की गायिका आकृति मेहरा की सुरमयी आवाज़ों से सजाया गया है। इसके संगीत और गीत को प्रसिद्ध संगीतकार एस.आर. डेहरिया ने तैयार किया है, जो अपनी दिल छूलेने वाली धुनों और खूबसूरत गीतों के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा, गाने के म्यूजिक अरेंजमेंट को कुशल संगीतज्ञ राजू राव ने बखूबी अंजाम दिया है।

एसएमडब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन, जो कि एसएमडब्ल्यू मीडिया एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की एक सहायक कंपनी ने नए साल के उपलक्ष्य में अपना नया रोमांटिक वीडियो सॉन्ग ÷तुम से मोहब्बत÷ रिलीज़ किया है। इस गाने में मुस्कान बामने, जिन्हें बिग बॉस 18 में उनकी उपस्थिति के लिए जाना जाता है, और रोहन मेहरा, जिन्होंने बिग बॉस 10 के जरिए प्रसिद्धि हासिल की, ने शानदार अभिनय किया है द्य

मुस्कान बामने को टीवी के सबसे लोकप्रिय सीरियल अनुपमा में पाखी की भूमिका के लिए जाना जाता है। उनकी शानदार अदाकारी ने उन्हें ना सिर्फ दर्शकों का प्यार दिलाया है, बल्कि एक वफादार प्रशंसक समूह भी दिया है।वहीं, रोहन मेहरा ने ये रिश्ता क्या कहलाता है में नक्ष सिंघानिया के रूप में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। उनकी आकर्षक उपस्थिति और बहुआयामी अभिनय ने उन्हें हर घर का चहेता बना दिया है। ये दोनों कलाकारों ने ÷तुम से मोहब्बत÷ में अपने अनुभव और अभिनय प्रतिभा से एक नया रंग भर दिया है जिससे यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया है द्य यह प्रोजेक्ट नई और अनुभवी प्रतिभाओं का बेहतरीन संगम है, जो एक यादगार संगीत अनुभव का वादा करता है। ÷तुम से मोहब्बत÷ एसएमडब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ किया जा चुका है द्य

मनमोहन का जाना अपूरणीय क्षतिः चौहान

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी आज हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अत्यंत विनम्र, सहज और सरल थे। मुख्यमंत्री रहते हुए मुझे कई विषयों पर सदैव उनका मार्गदर्शन मिला। डॉ. साहब शुचितापूर्ण राजनीति के पर्याय थे। 90 के दशक में उनकी उदारीकरण की नीतियां भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। मुझे एक संस्मरण याद आता है। पहले पाला को राष्ट्रीय आपदा नहीं माना जाता था और इस समस्या को लेकर मैं संघर्षरत था। यह विषय मैंने प्रधानमंत्री जी के समक्ष रखा तो उन्होंने एक कमेटी बनाई और श्रद्धेय प्रणब मुखर्जी जी, शरद पवार जी के साथ मुझे भी उसमें स्थान दिया। अंततः कमेटी ने पाला को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया।डॉ. साहब का व्यक्तित्व विजनरी था। मेरे मन में सदैव उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान रहा। एक बार वॉशिंगटन दौरे पर एक पत्रकार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जी को अंडर अचीवर कहा तो मैंने तुरंत प्रतिकार किया और सम्मान पूर्वक कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी अंडर अचीवर नहीं हो सकते।डॉ. साहब ने सदैव दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्यों को हरसंभव सहयोग दिया। एक बार मैं मध्यप्रदेश में किसानों की समस्या को लेकर उपवास पर बैठा तो यह उनका बड़प्पन था कि उन्होंने फोन पर तुरंत उपवास तोड़ने को कहा और समस्या के निवारण का आश्वासन दिया।सचमुच वह महान थे, निश्चय ही उनका जाना भारतीय राजनीति की बड़ी क्षति है। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। विनम्र श्रद्धांजलि !

एचडीएफसी इर्गो ने किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

खंडवा एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2024-25 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।

ब्राइट आउडडोर मीडिया ने पश्चिमी रेलवे के साथ 60 करोड़ का प्रमुख बल्क विज्ञापन अनुबंध प्राप्त किया

मुंबई , एजेंसी। ब्राइट आउडडोर मीडिया लिमिटेड जो भारत के आउट-ऑफ-होम विज्ञापन उद्योग में एक अग्रणी कंपनी है, ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने वेस्टर्न रेलवे - बल्क एडवरटाइजिंग राइट्स अनुबंध को सुरक्षित किया है। ?60 करोड़ मूल्य वाला यह सात साल का अनुबंध ब्राइट को मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में 17,555 वर्ग फीट प्रमुख विज्ञापन संपत्ति को विकसित करने का विशेष अधिकार प्रदान करता है।

यह महत्वपूर्ण अनुबंध ब्राइट को अत्याधुनिक होर्डिंग्स स्थापित करने की अनुमति देता है, जिसमें चार उन्नत डिजिटल एलईडी डिस्प्ले और सात फ्रंट-लिट स्थैतिक होर्डिंग्स शामिल हैं, जो 11 प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे। ये रणनीतिक रूप से स्थित स्थल मुंबई के उभरते उपनगरों में जैसे कि कांदिवली आरओबी, गोरेगांव आरओबी और मृणाल ताई गोरे फ्लाईओवर पर उच्च यातायात क्षेत्रों में अद्वितीय दृश्यता प्रदान करते हैं। ब्राइट आउडडोर मीडिया ने पहले ही होर्डिंग स्पेस का उपयोग करना शुरू कर दिया है, जहां प्रमुख ब्रांडों के विज्ञापन इन प्रमुख स्थानों पर दिखाए जा रहे हैं। उन्नत डिजिटल एलईडी डिस्प्ले और रणनीतिक रूप से स्थित स्थैतिक होर्डिंग उच्च प्रभाव वाली दृश्यता प्रदान कर रहे हैं, जो यात्रियों और निवासियों दोनों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। मुंबई उपनगर, जो पार्ला से लेकर कांदिवली तक फैले हुए हैं, तेजी से विकास और आरओबी होर्डिंग्स की बढ़ती मांग को देख रहे हैं। इस वृद्धि का कारण बढ़ती हुई जनसंख्या, अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स की उपस्थिति, लग्जरी रियल एस्टेट विकास, और एक संपन्न जनसांख्यिकी है जिनके पास उच्च डिस्पोजेबल आय है, जो इस क्षेत्र को एक अत्यधिक लाभकारी विज्ञापन हब के रूप में स्थापित कर रहा है। ब्राइट द्वारा हाल ही में सुरक्षित की गई साइट्स इन प्रवृत्तियों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से स्थित हैं, जो इसके राजस्व संभावनाओं को और बढ़ाएंगी। भारतीय रेलवे के साथ यह साझेदारी ब्राइट की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मुंबई के विज्ञापन परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और विज्ञापनदाताओं को उत्कृष्टता, नवाचार और मूल्य प्रदान करने के अपने वचन को मजबूत करती है।

बिमटेक में शैक्षणिक वर्ष 2025-27 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। भारत के एक प्रमुख बिजनेस स्कूल, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-27 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बिमटेक अपने चार पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम- पीजीडीएम, पीजीडीएम (इंटरनेशनल बिजनेस), पीजीडीएम (इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट) और पीजीडीएम (रिटेल मैनेजमेंट) में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्रों को आमंत्रित कर रहा है। इन कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। सीएटी 2024/एक्सएटी 2024/जीएमएटी 2023/2024-25/सीएमएटी 2025 के वेलिड स्कोर के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की डिग्री रखने वाले उम्मीदवार इन कार्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, पीजीडीएम (इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट) और पीजीडीएम (रिटेल मैनेजमेंट) के लिए आवेदन करने के इच्छुक छात्र भी वैध एमएटी 2024-25 स्कोर के साथ इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से डिजाइन किया गया है। ये पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और संचार कौशल के विकास पर जोर देते हैं। कठोर पाठ्यक्रम, व्यावहारिक अनुभव और अतिरिक्त कार्यक्रम सुविधाओं के संयोजन के माध्यम से, छात्र व्यापार जगत में प्रभावी, जिम्मेदार और अग्रणी बनने के लिहाज से तैयार किए जाते हैं।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स फंड

मुंबई , एजेंसी। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स फंड पेश किया है। यह नया फंड ऑफर निफ्टी 500 मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स के अनुरूप स्टॉक के पोर्टफोलियो में निवेश कर दीर्घकालिक स्तर पर पूंजी वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार किया गया है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) विंडो 24 दिसंबर 2024 को खुलेगा और 31 दिसंबर 2024 को बंद होगा। गति और गुणवत्ता पर ज़ोर देने वाले व्यवस्थित, फैक्टर-आधारित दृष्टिकोण के ज़रिये, यह फंड लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप खंड के शेयरों में निवेश करेगा। टाटा एआईए के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ), हर्षद पाटिल ने इस फंड के लॉन्च पर अपनी टिप्पणी में कहा, भारत की अर्थव्यवस्था अपने विकास पथ पर अग्रसर है, ऐसे में इक्विटी बाज़ार धन सृजन के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं। हालांकि, बाजार की अस्थिरता और उच्च मूल्यांकन (वैल्यूएशन) को नियंत्रित करने के लिए एक अनुशासित और रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

जस्टडायल ने 2024 में उपभोक्ताओं के सर्च के रूझानों पर डाली रोशनी

मुंबई, एजेंसी। भारत के नंबर 1 लोकल सर्च इंजन जस्टडायल ने 'हाओ इंडिया सर्च्ड इन 2024' रिपोर्ट का अनावरण किया है, जिसमें 2024 में भारतीयों के द्वारा सर्च के रूझानों पर रोशनी डाली गई है। इस साल के आंकड़े हेल्थकेयर, फिटनैस, ट्रैवल, फूड, एजुकेशन जैसी कैटेगरीज़ में सर्च के रूझानों को दर्शाते है। रिपोर्ट से साफ है कि स्वास्थ्य, सुविधाओं और आरामदायक अनुभवों की तरफ उपभोक्ताओं का झुकाव बढ़ रहा है। टियर 1 और टियर 2 शहरों में सर्च के रूझान एकदम विपरीत पाए गए हैं, टियर 2 में सर्च की संख्या टियर 1 शहरों में तुलना में 112 फीसदी अधिक रही, जिससे स्पष्ट है कि डिजिटल फुटप्रिन्ट महानगरों के दायरे से आगे बढ़ रहा है। विश्लेषण से पता चलता है कि कुछ कैटेगरीज़ जैसे हेल्थकेयर, वैलनैस, एजुकेशन और लेज़र की तरफ शहरी एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों का झुकाव बना हुआ है, हालांकि इन क्षेत्रों में विकास के आंकड़े और प्राथमिकताएं अलग पाई गई हैं। हेल्थकेयर और मेडिकल सर्विसेज़ कैटेगरी में सर्च में 24 फीसदी सालाना बढ़ोतरी हुई है, यह सबसे ज़्यादा सर्च किए जाने वाले सेक्टरों में से एक है। हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की बात करें तो गायनेकोलोजिस्ट और ऑब्स्टेट्रिशियन की मांग 22 फीसदी बढ़ी है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं के स्वास्थ्य की ओर झुकाव बढ़ रहा है।

000000000000

स्मृतिशेषः ओसामु सुजुकी

वाहन उद्योग में भारत को बनाया महाशक्ति, इस क्षेत्र में स्थापित किए नए मानक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रति ऐसा गहरा और अडिग प्रेम, जिसने एक व्यक्ति को जोखिम उठाने के लिए प्रेरित किया और भारत को मोटर वाहन उद्योग में महाशक्ति बना दिया। वह व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि मारुति सुजुकी इंडिया लि. के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी थे। लिम्फोमा नामक घातक कैंसर ने उनकी जिंदगी छीन ली। ओसामु ने जोखिम उठाने का बीड़ा तब उठाया, जब भारत लाइसेंस व्यवस्था के तहत एक बंद अर्थव्यवस्था थी। भारतीय बाजार का दुनिया से खास लेनादेना नहीं था। ऐसे दौर में ओसामु ने साल 1981 में मारुति उद्योग लि. के साथ संयुक्त उद्यम बनाने के लिए तत्कालीन भारत सरकार के साथ साझेदारी करने का जोखिम उठाया। इसलिए, उन्हें व्यापक रूप से देश में मोटर वाहन उद्योग को बढ़ावा और नई दिशा देने वाले शख्सियत के तौर पर पहचाना जाता है। बाद में सरकार ने 2007 में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कंपनी से बाहर निकलने का फैसला किया, जिससे मारुति उद्योग लि., मारुति सुजुकी इंडिया लि. बन गई।

दुनियाभर के मोटर उद्योग के लिए स्थापित किए मानक- ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) की अध्यक्ष श्रद्धा सूरी मारवाह ने कहा, मारुति सुजुकी के जरिये भारत में ओसामु के असाधारण योगदान ने न सिर्फ भारतीय मोटर वाहन परिदृश्य में क्रांति ला दी, बल्कि वैश्विक वाहन उद्योग के लिए मानक स्थापित किए। एक मजबूत आपूर्ति शृंखला का निर्माण किया, जिसने अनगिनत व्यवसायों को सशक्त बनाया। योगदान के लिए पद्म भूषण सम्मान-

ओसामु सुजुकी के भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान और भारत एवं जापान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी दूरदर्शिता ने न सिर्फ वैश्विक वाहन उद्योग को आकार दिया, बल्कि लाखों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाई।

सांसद साहू ने की मजदूर परिवार की आर्थिक मदद

छिंदवाड़ा। जरूरतमंद लोगों के लिए सहारा बने सांसद बंटी विवेक साहू एक मजदूर की आर्थिक मदद करने के लिए फिर सामने आ गए। उन्होंने महाराष्ट्र प्रदेश के अकोला में अमरवाड़ा के ग्राम मेहलोन निवासी राम पथ डेहरिया के बेटे के निधन होने पर वाहन से शव लाने के लिए पैसे नहीं होने पर तुरंत मदद की। रिश्तेदार भगवानदास डेहरिया ने बताया कि महाराष्ट्र प्रदेश के अकोला में मजदूरी कर अपना जीवनयापन चला रहे छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा ब्लॉक के रामपथ डेहरिया के छोटे सुपुत्र धीरेंद्र डेहरिया का अकोला में दुःखद निधन होने पर परिवार के पास धीरेंद्र की अंत्येष्टि करने वाहन से अपने गांव शव लाने पैसे नहीं होने पर परिवार के लोगों ने सांसद बंटी विवेक साहू से मदद की गुहार लगाई सांसद के अपने संसदीय क्षेत्र से बाहर होने के बाद सांसद ने तुरंत ही वाहन की व्यवस्था के लिए राम पथ के बड़े बेटे को 8 हजार की आर्थिक मदद की जिससे वाहन से मृतक के परिवार के लोग अंत्येष्टि के लिए अपने निज निवास अमरवाड़ा के ग्राम मेहलोन ला पा रहे हैं।

कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति शाखा की सीएमपीएफ कमिश्नर से सौजन्य भेंट

छिन्दवाड़ा-रिटायर्ड कोल पेन्शनर एसोसियेशन छिन्दवाड़ा शाखा ने माननीय श्री शशांक रायजादा से उनके कार्यालय में स्वागत किया समिति ने कुछ ज्वलन्त मुद्दे जैसे रिवाइज्ड पी.पी.ओ. के माध्यम से विधवा पेंशन दिलाने हेतु निवेदन किया । छिन्दवाड़ा शाखा द्वारा अभी तक रिवाईज्ड पी.पी.ओ. सभी पेंशनरों को शीघ्र दिये जाने बाबद् ध्यान आकर्षित किया तथा एन.सी.डब्ल्यू.ए.आने से बढ़ी हुई पेंशन दिलाने बाबत आवश्यक कार्यवाही का निवेदन किया इसके अतिरिक्त लम्बित पेंशन पर यथा-योग्य कार्यवाही की अपेक्षा की । क्षेत्रीय आयुक्त ने सदस्यों को सूचित किया की रिवाईज पी.पी.ओ.की कार्यवाही प्रगति पर है। जिनका ई. मेल आई.डी. या व्हाट्सअप नंबर है। वे जानकारी प्रदान करें उन्हें शीघ्र मिल जायेगा। कमिशनर महोदय ने छिन्दवाड़ा शाखा की 7 जनवरी को होने वाली मासिक बैठक में आने की इच्छा जाहिर की है। कमिशनर की सकारात्मक एवं ऊर्जावान योजना पर समिति ने आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर श्री टी.आर.यादव कार्यवाहक अध्यक्ष , राजेन्द्र मिश्रा सचिव ,एच.एस.राजपूत, कोषाध्यक्ष मो. वहीद ,सहसचिव सुन्दरलाल पवार संगठन मंत्री उपस्थित थे।

प्रथम श्रेणी न्यायालय मजिस्ट्रेट चौरई ने नौ लोगों को सुनाई सजा

छिंदवाड़ा। पुलिस थाना चांद तहसील चांद जिला छिन्दवाड़ा के अपराध क्रमांक 169/2016 अपराध अन्तर्गत धारा - 147,148,149, 294,323 सहपठित धारा 34,506 भाग - 2, 427 भारतीय दंड संहिता 1860 के तहत सारंग सिंह रघुवंशी एव परमिला रघुवंशी पांचगाव थाना चांद निवासी ने सूर्यकांत पिता रंजीत रघुवंशी, सूर्यांश पिता गौरीशंकर रघुवंशी, चंद्रभान उर्फ रानू पिता गौरीशंकर रघुवंशी, राजेंद्र पिता अजब सिंह रघुवंशी, वेदसिंह पिता अजबसिंह रघुवंशी, गौरी शंकर पिता अजबसिंह रघुवंशी, रंजीत पिता अजब सिंह रघुवंशी, गौतम पिता जगदीश सिंह रघुवंशी, दीपक पिता संतराम रघुवंशी सिगोडी टोला थाना चांद निवासी नौ लोगो के खिलाफ मारपीट एवं घर में घुसकर तोडफोड बालवा का मुकदमा दिनांक 15.07.2016 को चांद थाना मे कायम कराया था। जिसका मामला न्यायलय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चौरई जिला छिन्दवाड़ा में विचाराधीन था प्रकरण की पैरवी प्रतिनिधित्व द्वारा ए.डी.पी.ओ. पंकज ठाकुर अधिवक्ता जी डी मैनवे द्वारा की गई। सम्मानीय न्यायलय द्वारा प्रकरण की छानबीन साक्ष्यो के आधार पर की गई दिनांक 25.12.2024 को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट धर्मेन्द्र खंडायत द्वारा सभी गवाहों और साबूतो को आधार मानकर फैसला सुनाया जिसमे सभी नौ अरोपियो को दोष सिद्ध कर अर्थ दंड एवं सजा दंडित किया गया।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ वाय के शर्मा के संरक्षण एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ मंशाराम उइके व प्रो महेन्द्र साहू के मार्गदर्शन तथा रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय से जागरुकता रैली निकाली गयी जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा सुरक्षित जीवन अपनाए, एड्स को दूर भगाए एचआईवी की पहचान कराओ, सही इलाज पाओ जैसे आदि नारे लगाए गए रैली में प्राचार्य डॉ शर्मा ने स्वयंसेवकों के साथ चलकर नारे लगाते हुए उत्साह वर्धन किया रेड रिबन की इस जागरुकता रैली में एनएसएस वरिष्ठ स्वयंसेवक विशाल सलामे, रेड रिबन क्लब अध्यक्ष अमित कुमार बारई, चंचलेश साहू, संकल्प विश्वकर्मा, योगेश डेहरिया, आयुष, सुरजीत ठाकुर, आशीष, सत्यप्रकाश सूर्यवंशी, भूमिका धुर्वे, मुस्कान माथारे, राजनंदनी, चांदनी, डिम्पल, पार्वती आदि बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मौसम ने फिर बदला मिजाज, बादलों के साथ चली हवाएं

सिरोंज। पिछले तीन दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद बादलों की लुका छुपी का दौर चल इस वजह से तापमान में भी गिरावट आ गई है। अचानक शुक्रवार को दोपहर के बाद हवाएं चलने से से फिर ठंड बढ़ गई है। आने-वाले दिनों में हल्की बारिश के साथ ठंड बढ़ाने की संभावना मौसम विभाग के द्वारा जताई जा रही है ।इसके बाद कड़ाके की ठंड पड़ने का दौरा आरंभ होगा अभी ठंड गायब हो जाने से फसलों में भी रौनक नहीं आ रही है ।बादलों के कारण इल्ली का प्रकोप भी बढ़ गया है। इससे फसलों को बचाने के लिए किसानों के द्वारा कीटनाशक दवाई भी डालने का काम किया जा रहा है। किसानों का कहना है कि जब तक अच्छी ठंडा नहीं पड़ेगी तब तक फसलों में रौनक नहीं आएगी अभी पानी भी जल्दी खेतों से गायब हो रहा है बादलों से नुकसान भी फसलों में रोग लगने लगे हैं।

आदिवासी महिलाओं पर जानलेवा हमला, पुलिस से न्याय की गुहार

अमरवाड़ा। ग्राम धसनवाड़ा में दिनांक 26 दिसंबर 2024 को एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें चार महिलाओं पर जानलेवा हमला किया गया। यह घटना दोपहर करीब 1.30 बजे हुई, जब महिलाएं अपने खेत में पानी देने गई थीं।

घटना का विवरण

आरोप है कि बालकराम वर्मा और धीर सिंह वर्मा (अनावेदकगण) ने जमीन विवाद के चलते आवेदिकागण–जन्नो बाई, झिनी बाई, मुन्नी बाई, और सविता बाई–को गंदी गालियां देते हुए जातिगत अपमानित किया। जब महिलाओं ने इसका विरोध किया, तो अनावेदकगण ने लकड़ी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में सविता बाई को सिर, बांह, और पेट में गंभीर चोटें आईं। झिनी बाई, जन्नो बाई और मुन्नी बाई को भी विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें लगीं। सविता बाई का सोने का मंगलसूत्र भी छीना गया और महिलाओं को जान से मारने की धमकी दी गई।

पुलिस कार्रवाई पर सवाल

घटना की रिपोर्ट करने पर थाना अमरवाड़ा द्वारा केवल सविता बाई का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जबकि अन्य घायल महिलाओं का परीक्षण नहीं हुआ। इससे पुलिस की कार्यवाही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आवेदिकागण की मांग

आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

गंभीर धाराओं के तहत दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आवेदिकागण और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

आवेदिकागण का बयान

हम आदिवासी समाज के सदस्य हैं और खेती-किसानी कर अपनी आजीविका चलाते हैं। अनावेदकगण ने हमें न केवल शारीरिक चोट पहुंचाई, बल्कि जातिगत अपमानित भी किया। अगर समय रहते आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो हमें और हमारे परिवार को जान-माल का खतरा है।

समाज का आह्वान

यह घटना आदिवासी समुदाय के खिलाफ एक गंभीर अपराध है। समाज के विभिन्न संगठनों और नागरिकों ने प्रशासन से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है।

पिकअप वाहन से गोवंश कत्ल खाने ले जाते धराए

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत चौरी रोड ग्राम थावड़ी के नजदीक पिकअप वाहन क्रमांक एम पी20लक्क0812 मैं गोवंश को भरकर नरसिंहपुर रोड से नागपुर तरफ बात करने की नीयत से कत्ल खाना नागपुर लेकर जा रहे वहांनको पुलिस ने धर दबोचा।

प्रकरण इस प्रकार बताया जाता है कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन में गोवंश को भरकर वहान में भरकर नागपुर कत्लखाना ले जाया जा रहा है पुलिस द्वारा नाकाबंदी की गई नरसिंहपुर रोड तरफ से एक सफेद रंग की पिकअप वाहन तेज रफ्तार से आई हुई दिखाई वहान के चालक ने पुलिस को देख कर वहांन अमरवाड़ा से चौरई रोड तरफ ले जा लिया पुलिस द्वारा हीराबंदी कर पिकअप वाहन को रोका गया जिसमें तीन नग बैल बिना चारा- पानी ,हवा केठूंस ठूसकर कुरूरता पूर्वक भरे होना पाए गए। बैलों को कत्ल खाना ले जा रहे पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 20 जीबी 0813वाहनको रमन गुर्गे निवासी घोगरी चल रहा था एवं उसके साथ मधु निवासी बड़ेला नामक व्यक्ति बैठा हुआ था ,पूछने पर उन्होंने बताया की बैलों को कत्ल खाना नागपुर लेकर जा रहे है। बैलों को गौशाला थावडी पहुंचाए गए ,एवं आरोपियो के विरुद्ध धारा 11घ 4,6,9 गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, मध्य प्रदेश कृषक परीरक्षण अधिनियमठ्ठ 7,8 एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66 /192 मैं सहायक उप निरीक्षक सुभाष तिवारी ने प्रकरण पंजीवद कर वाहन को जप्त आरोपियों को हिरासत में लेकर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

कमलनाथ, नकुलनाथ एवं जिला कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा- भारत के महान अर्थशास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के वक्ताओं ने पूर्व सीएम कमलनाथ के साथ पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के छिन्दवाड़ा आगमन के साथ ही उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। आयोजित शोक सभा को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि पूर्व पीएम श्री मनमोहन सिंह के निधन कांग्रेस पार्टी लिए बड़ी क्षति है। देश ने एक अनमोल हीरा खोया है। पूर्व पीएम ने अपने कार्यकाल में अपनी सादगी, ईमानदारी व विद्वता से देश को नई दिशा प्रदान की। देश के आर्थिक सुधार के शिल्पकार व करोड़ों लोगों की उम्मीदों के एकमात्र चेहरे थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

रोटरी क्लब सौसर द्वारा हुआ स्वेटर वितरण

सौसर। रोटरी क्लब सौसर द्वारा प्रतिवर्ष ग्रामीण अंचल की स्कूलों में कड़ाके की ठंड के मद्देनजर स्वेटर का वितरण किया जाता है इसी श्रृंखला में इस वर्ष 27 दिसंबर को क्लब द्वारा नगर की शासकीय माध्यमिक स्कूल गोहटान में स्वेटर का वितरण किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्री संदीपजी मोहोड़, अतिथि एवं सहयोगी श्री रोहितसिंग ठाकुर (मोंटी भैया) क्लब अध्यक्ष सन्नी चड्ढा सचिव विकास शर्मा सदस्य दिलीपजी बत्रा,अनिल पालीवाल , अभिषेक भूतड़ा एवं सभी रोटरी सदस्यो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना से हुआ उसके उपरांत सभी अतिथियों का स्वागत शाला के प्राचार्य राजेश पोस्ते , डोंगरे सर बंसत सर अनुष्ठाने सर धमदर मैडम बिसेन मैडम द्वारा किया, अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि संदीप भाऊ मोहोड़ ने सर्वप्रथम देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंग के निधन पर शोक सवेंदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की एव दूर दराज से आने वाले गरीब विद्यार्थियों को आर्थिक परिस्थितियों से गुजरते हुए शिक्षा ग्रहण करने का महत्व दर्शाया एव रोटरी क्लब की सामाजिक गतिविधियों की प्रंशसा की, क्लब अध्यक्ष सन्नी चड्ढा ने अपने संक्षिप्त उदबोधन में क्लब के कार्यक्रम एव बच्चों को शिक्षक और छात्रों के आपसी सम्बंधो का महत्व दर्शाया, मंच संचालन एव आभार प्रदर्शन डोंगरे सर ने किया

आत्मा की कोई जाति या नाम नहीं होता, आत्मा अनाम तत्व है:बसंत जीमहाराज

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा प्रवास पर पधारे बाल ब्रह्मचारी इतिहास रत्नाकर बसंत महाराज ने तत्व चर्चा के दौरान बताया कि शरीर को मैं मानना ही सबसे बड़ा पाप है, जिसे जैन दर्शन में मिथ्यात्व और वैदिक दर्शन में इसे अविधा कहा गया है, हिंसा आदि सभी पाप मिथ्यात्व के कारण ही होते हैं क्योंकि जीव शरीर में इष्ट बुद्धि के कारण शारीरिक सुख सुविधाओं को जताने में संलग्न हो जाता है। फिर पुण्य-पाप का बोध नहीं रहता और पाप उपार्जन होता रहता है !

आत्मा की कोई जाति या नाम नहीं होता. आत्मा अनाम तत्व है, चैतन्य जाति वाला है, लौंकिक नाम और जातियां देह से संबंधित होती हैं, जिसमें विवेक वान को नहीं उलझना चाहिए,क्योंकि नाम और जाति के बंधन से आत्मा का कल्याण नहीं होता है। अहंकार सबसे बड़ी दीवार है जिसके कारण घट में ही विराजमान परमात्मा के दर्शन नहीं होते, अहंकार में झूलने वाला निराकार को भूलता है और निराकार में झूलने वाला अहंकार को भूल जाता है क्योंकि एक म्यान में दो तलवार नहीं आवेगी ! यदि तुम साधक हो तो कभी भी अपने को दीन - हीन, दरिद्र मत मानो, हमेशा अपने आप को परमात्मा के सदृश्य ,शुद्ध ,पवित्र तीन लोक का नाथ परमात्मा हूं यही स्वीकार करो। इस श्रद्धा विश्वास के बल पर मन मरेगा और तुम्हें अपनी मंजिल मिलेगी।

रोमांचक मुकाबले पर जीता समर्थ छिंदवाड़ा

अमरवाड़ा। स्वर्गीय श्रीमती निर्मला ठाकुर की स्मृति में आयोजित नव चेतना क्लब के तत्व धान में लेदर बॉल क्रिकेट स्पर्धा का सफलता भरा 38 व वर्ष और 38 वर्ष का तीसरा दिन आज तीसरे दिन का पहला मुकाबला मैदान पर खेला गया समर्थ अकैडमी छिंदवाड़ा प्लास्टिक परासिया टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया प्लास्टिक परासिया ने निर्धारित 20 ओवर पर 104 रन बनाए लक्ष्य रखा 105 रन का जिसका करने उतरी समर्थ छिंदवाड़ा 16 ओवर पर 105 रन बनाएं और इस मुकाबले को जीत लिया मैन ऑफ द मैच रहे साजिद खान जिन्होंने चार ओवर पर 25 रन खर्च किए और दो विकेट लिए और बल्लेबाजी के दौरान 37 रनों की शानदार पारी खेली मैच के दौरान मौजूद रहे भाजपा युवा नेता उत्तम सिंह ठाकुर जी उनके साथ बसंत चौबे जी पूर्व मंडी जन भागीदारी अध्यक्ष पूर्व सतीश संतु साहू कमेंट्री बॉक्स पर मौजूद रहे कॉमेंटेटर गुल्लम खान अर्पित लाल श्रीवास्तव स्कोर जुनैद खान अंपायर की भूमिका पर प्रीतम विश्वास आदर्श विश्वकर्मा मैदान पर सहयोग प्रदान किया सुनील कर पहलाद वंशकार गौरव वरमैया सुमित वंशकार मैच के दौरान भारी संख्या पर मौजूद रहे

ओमप्रकाश नयन की रचनाओं का होगा काव्य पाठ

छिन्दवाड़ा। आकाशवाणी छिंदवाड़ा द्वारा प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 7:20 बजे से अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम शब्दचित्र का प्रसारण किया जाता है। आगामी मंगलवार 31 दिसंबर 2024 को प्रातः 7:20 बजे से आयोजित इस अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम शब्दचित्र में आकाशवाणी के प्रसारण अधिकारी दीपांकर तिवारी के संपादन में जिले के वरिष्ठ साहित्यकार श्री ओमप्रकाश नयन की रचनाओं का काव्य पाठ का प्रसारण किया जायेगा। यह कार्यक्रम आकाशवाणी छिंदवाड़ा के एफएम 102.2 मेगाहर्ट्स पर सुना जा सकता है तथा प्रसार भारती की एंड्रोइड एप न्यूज़ ऑन एआईआर के माध्यम से यह कार्यक्रम किसी भी स्थान से सुना जा सकता है।

साल के अंतिम शनिवार को चमत्कारिक हनुमान मंदिर जाम सावली में दर्शनार्थ भारी जन सैलाब उमड़ा

सौसर। साल के अंतिम शनिवार को चमत्कारिक हनुमान मंदिर जाम सावली में दर्शनार्थ भारी जन सैलाब उमङपडा प्रतिवर्षानुसार इस बार भी साल के अंतिम शनिवार को पांढुर्णा से बड़ी तादाद में जनता पैदल हनुमान मंदिर जाम सावली में दर्शनार्थ आए प्रातः पांढुर्णा से पदयात्रा करते हुए बड़ी तादाद में भाविक दर्शनार्थ आ रहे थे जिनका जगह-जगह भव्य स्वागत जनता द्वारा किया गया भाविको के लिए जगह-जगह खाना नाश्ता चाय पेयजल की निशुल्क व्यवस्था की गई थी विधायक विजय चौरे ने भी दर्शनार्थ के सम्मान के लिए नास्ते की व्यवस्था की गई थी।

अंतिम शनिवार को हनुमान मंदिर के प्रति आस्था को देख दर्शनार्थ आने वालो की सुविधा के लिए प्रशासन भी पूरी तरह से सज्जग था जाम साँवली हनुमान मंदिर समिति भंग होने के कारण व्यवस्था की जवाबदारी प्रशासन पर होने से जिला अध्यक्ष अजय देव शर्मा ने पूर्व से इस व्यवस्था की जवाबदारी संभालते हुए पूरी तरह से सक्रियता दिखाई अनुविभागीय अधिकारी सिद्धार्थ पटेल के नेतृत्व में पूरा प्रशासन सज्जग था

सफाई एवं पेयजल की ओर विशेष ख्याल दिया गया इसके लिए चारों नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत थे शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस अधिकारी के साथ अनु विभागीय पुलिस अधिकारी तथा पुलिस स्टेशन के सभी थानेदार अपने मातहत पुलिस कर्मीयों के साथ व्यवस्था बनाए हूये थे साथ ही राजस्व विभाग वन विभाग के अधिकारी भी व्यवस्था में लगे हुए थे आने वाले भक्तों को श्री हनुमान के दर्शन सुविधाजनक हो इसके लिए प्रशासन द्वारा बैरिकेड बनाए गए थे जिससे दर्शन ठीक से हो रहे थे दर्शनार्थ आने वाले भाविको के वाहनों की पार्किंग सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा अच्छा प्रबंध किया गया था पार्किंग की समुचित व्यवस्था के लिए पांढुर्णा. नागपुर. सौसर की ओर से आने वाले सभी वाहनों को पार्किंग व्यवस्था के तहत खड़े किए गए जिससे परेशानी नही हूई जाम सावली पांढुर्णा मार्ग भारी वाहनों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था मंदिर परिसर में भक्तों के लिए जगह-जगह भंडारों की व्यवस्था भाविको के द्वारा की गई थी प्रशासन द्वारा मंदिर को भी अच्छी तरह से सजाया गया थानव वर्ष के प्रथम दिन भी जाम सांवली हनुमान मंदिर में भक्तों का जन् सैलाब उमड़ने की संभावना को देख प्रशासन द्वारा व्यवस्था को बनाए रखने का प्रयास कर रही है।

जिले भर के खिलाड़ी दिखा रहे प्रतिभा

महापौर ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

छिंदवाड़ा- जिला बैडमिंटन संघ द्वारा जिला स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 27/12/24 से ओलंपिक स्टेडियम बैडमिंटन हॉल में किया जा रहा है इस अवसर पर प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियो के उत्साहवर्धन हेतु महापौर विक्रम अहॉके,स्पर्धा अध्यक्ष इंद्जीत सिंह बैस, अभिषेक वर्मा ,अंकुर शुक्ला, सौरभ ठाकुर,जगेंद्र अलडक,पंडित राम शर्मा, मनोज कुशवाह,डॉ अनिल जैन, तरुण विश्वकर्मा, अनिल शर्मा, अरविंद गिरहटकर,नितिन महोरे, विवेक गोखलानी, अमित चौरसिया विशेष रूप से उपस्थित थे इस अवसर पर विक्रम अहाँके ने कहा कि छिंदवाड़ा में बैडमिंटन खेल का स्तर अच्छा है व जिला बैडमिंटन संघ छिंदवाड़ा जिले के बैडमिंटन खिलाड़ियो को तराश कर प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान कर रहे हैं।अतिथियों द्वारा इस वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जूनियर खिलाड़ियो को सम्मानित किया गया। स्पर्धा सचिव जावेद खान ने बताया कि स्पर्धा में संपूर्ण जिले के 120 खिलाड़ी भाग ले रहे है कोयलांचल, पेंच, कन्हान तथा छिंदवाड़ा नगर के खिलाड़ियों ने तीसरे चक्र में प्रवेश किया दिनांक 29.12.24 दिन शनिवार को दोपहर 3 बजे से सिंगल्स व डबल्स के सेमि फ़ाइनल के मैच खेले जावेंगे इस स्पर्धा के चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य स्पर्धा रीवा, होशंगाबाद, बालाघाट, में भाग लेंगे स्पर्धा के संचालन में अशफ़ाक खान ,चंदेल ,अतिकेश मेहता, रिया मेहता, अर्नव कर्डे, महिमा यादव, अश्वंत मार्को , आकाश गोरई, अनुज डेहरिया ,अक्षत शुक्ला ने सहयोग किया।

प्रदेश भर में बिगड़ा मौसम, रविवार को जबलपुर-रीवा समेत 26 जिलों में बारिश-ओलावृष्टि का अलर्ट

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से प्रदेश के अधिकतर जिलों में शुक्रवार-शनिवार को झमाझम वर्षा हुई। मावठा की जोरदार बौछारें पड़ने से किसानों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान कहीं-कहीं ओले भी गिरे, लेकिन उनकी वजह से विशेष नुकसान की आशंका नहीं है।

वहीं, मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, रविवार को अधिकतर शहरों में कोहरा बना रहने के आसार हैं। जबलपुर, रीवा, शहडोल संभाग के जिलों में कई स्थानों पर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने के आसार हैं।

मौसम का असर- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में रात के तापमान में कुछ गिरावट होने की संभावना है। तीन जनवरी से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इसका मध्य प्रदेश में भी असर दिखेगा।

कहां कितनी बारिश- शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक उमरिया में 55, नर्मदापुरम में 41, बैतूल में 32, जबलपुर में 30, नरसिंहपुर में 27, भोपाल में 17, रीवा में 17, सतना में 13, खजुराहो एवं टीकमगढ़ में 12, सागर में तीन, मंडला में दो, इंदौर में एक, धार में 0.6 मिलीमीटर वर्षा हुई।

नौगांव में 11, दमोह में 10, सीधी में आठ, खंडवा में छह, पचमढ़ी में चार, रायसेन में तीन मिलीमीटर वर्षा हुई। राजधानी भोपाल में पांच वर्ष बाद दिसंबर में एक दिन में इतनी वर्षा हुई है। इसके पहले वर्ष 2019 में एक दिन में 21.6 मिमी वर्षा हुई थी।

रविवार को बारिश के आसार- मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, रविवार को जबलपुर, रीवा, शहडोल संभाग के जिलों में कई स्थानों पर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने के आसार हैं। बरसात की वजह से दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में दिन का सबसे कम 19 डिग्री सेल्सियस तापमान रीवा में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणाली- मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान एवं उससे लगे जम्मू-कश्मीर पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध है। एक प्रेरित चक्रवात दक्षिणी हरियाणा पर सक्रिय है।

गुजरात से लेकर पंजाब तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो दक्षिणी हरियाणा पर बने प्रेरित चक्रवात से होकर गुजर रही है। उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम बना हुआ है। तीन जनवरी से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है।

मौसम प्रणालियों के असर- मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के असर से मध्य प्रदेश में पूर्वी एवं पश्चिमी हवाओं का सम्मिलन होने से शुक्रवार से प्रदेश के अधिकतर शहरों में वर्षा का सिलसिला शुरू हुआ, जो रुक-रुककर शनिवार को भी बना रहा।

मालवा-निमाड़ : दूसरे दिन भी वर्षा के साथ ओले गिरे

मालवा-निमाड़ - अंचल में शुक्रवार रात के बाद शनिवार सुबह भी वर्षा हुई। खंडवा जिले में ओले गिरे। मंदसौर जिले के कुछ क्षेत्रों में खेतों में पानी भर गया। मंडी में किसान परेशान हुए द्य 24 घंटे में मंदसौर में 17.8 मिमी और सबसे ज्यादा गरोठ में 63.8 मिमी वर्षा हुई।

झाबुआ जिले के पीठड़ी गांव में शुक्रवार शाम तेज हवा और ओले गिरने से गेहूं की फसल आड़ी हो गई। शाजापुर में जिले में 44 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। बादलों का डेरा ज्यादा समय रहने पर चना और मक्का फसल में इल्ली का प्रकोप हो सकता है। उज्जैन, रतलाम में भी वर्षा हुई।

महाकोशल व विंध्य- धान उपार्जन केंद्रों पर बिगाड़े हालात जबलपुर ~महाकोशल व विंध्य क्षेत्र में शनिवार की अलसुबह से बेमौसम बरसात शुरू हो गई। इस वर्षा ने जहां किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दीं, वहीं प्रशासन के लिए भी चुनौतीपूर्ण हालात बना दिए हैं।

जबलपुर और शहडोल संभाग के विभिन्न खरीदी केंद्रों पर लगभग 10 लाख टन से अधिक धान की खरीदी हो चुकी है। उसमें से 70 प्रतिशत धान परिवहन और भंडारण के अभाव में उपार्जन केंद्रों पर ही पड़ा है।

मौसम कार्यालय के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते महाकोशल और विंध्य रीजन के अनेक जिलों में वर्षा हो रही है। जहां अभी बरसात नहीं हो रही है, वहां आने वाले 24 घंटों के अंदर पानी गिरने की संभावना है।

चंबल और बुंदेलखंड~ ओले से चना-सरसों को नुकसान ग्वालियर~ चंबल और बुंदेलखंड के जिलों में रुक-रुककर बूंदाबांदी और बारिश का दौर जारी है। श्योपुर जिले में शुक्रवार-शनिवार की रात बारिश के साथ ही ओलवृष्टि भी हुई। इससे चना और सरसों की फसलों को नुकसान 10 से 15 फीसद तक नुकसान बताया जा रहा है। मुरैना जिले में शनिवार के 5.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। शिवपुरी जिले में 13.61 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं दतिया जिले में 18.5 मिमी बारिश हुई।

नए साल में हुड़दंग किया तो होगी जेल ! रोडमैप तैयार, 700 पुलिसकर्मी रहेंगे एक्टिव

भोपाल। भोपाल पुलिस ने नए साल के जश्न को लेकर पुलिस व्यवस्था का रोडमैप तैयार कर लिया है। करीब 700 पुलिसकर्मी नए साल के जश्न के लिए भोपाल की सड़कों पर तैनात रहेंगे। जिन रेस्टोरेंट में नए साल के जश्न को लेकर सेलिब्रेशन होना है उन स्थानों पर पुलिस की टीम लगातार चेकिंग करेगी ताकि किसी भी तरह की घटना न हो।

लगातार पुलिस की गश्त भी करेगी और प्रमुख चौराहों पर चैकिंग प्वाइंट भी लगाए जाएंगे नए साल के जश्न के दिन ड्रिंक एंड ड्राइव, सड़क हादसे और लड़ाई झगड़ों के कई मामले सामने हैं, वहीं असामाजिक तत्वों की वजह से भी अन्य लोगों को परेशान होना पड़ता है।

ड्रिंक एंड ड्राइव रोकने के लिए ब्रेथ एनालाइजर- पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि चेकिंग के दौरान वे बॉडी कैम लगाएं ताकि पूरी घटना रिकॉर्ड हो सके तो साथ ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी ताकि ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर कार्रवाई की जा सके। जिसके अंतर्गत आप जुर्माने के साथ जेल में रात भी काटनी पड़ सकती है।

मेट्रो ट्रेन डिपो की नाली से ग्रीन मेडोज की सुरक्षा का सवाल शासन ने किया दरकिनार

भोपाल। सुभाष नगर मेट्रो ट्रेन डिपो की नाली निर्माण से ग्रीन मेडोज रहवासियों की सुरक्षा की चिंता को शासन ने दरकिनार कर दिया। विधानसभा में इसपर सवाल उठा, लेकिन शासन की ओर से स्पष्ट कर दिया कि ग्रीन मेडोज की बाउंड्री से एक मीटर दूरी पर नाली से असुरक्षा का मामला ही नहीं है। दिए गए जवाब में मेट्रो प्रोजेक्ट का नाम तक नहीं लिया गया। यहां सिर्फ बताया कि नाली निर्माण में आइआइटी दिल्ली की डिजाइन से काम हो रहा है, ऐसे में दिक्कत की बात ही नहीं है।

पांच एकड़ में ग्रीन मेडोज- अरेरा हिल्स स्थित हाउसिंग बोर्ड की ग्रीन मेडोज कॉलोनी के लिए जून 2008 में कलेक्टर की ओर से गृह निर्माण मंडल को जमीन दी थी। 5.15 एकड़ जमीन इसके लिए दी गई थी। इसमें से हाल में 0.78 एकड़ के हिस्से की लीज में बदलाव किया गया। बाउंड्रीवॉल से एक मीटर दूर निर्माण नाली निर्माण प्रस्तावित है।

शहर के पॉश कॉलोनियों में शामिल- ग्रीन मेडोज शहर की पॉश कॉलोनियों में से एक है। अरेरा हिल्स स्थित कॉलोनी में इंडियन सर्विसेस से जुड़े लोगों के बंगले हैं। मेट्रो टेन डिपो का काम इससे सटकर ही हो रहा है। मशीनों की गडगड़ाहट और अन्य मामलों को लेकर प्रशासन को यहां से लगातार शिकायतें मिली। कुछ विधायकों के घर भी यहां है। ऐसे में यहां सुरक्षा का सवाल किया गया, हालांकि फिलहाल शासन ने इसे दरकिनार कर दिया।

कर्मचारियों का बढ़ेगा वेतन, स्वीकृत हुआ नया वेतनमान, समिति की अनुशंसा के बाद आदेश जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में कर्मचारियों को सौगातें मिलने का सिलसिला जारी है। प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों को नया उच्चत्तर क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृत किया गया है जिससे इनके वेतन में खासी बढ़ोत्तरी होगी। जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि बालाघाट के शिक्षकों के लिए समिति की अनुशंसा के बाद क्रमोन्नत वेतनमान देने का आदेश भी जारी कर दिया गया है।

बालाघाट में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत पदस्थ शिक्षकों को नए साल में अधिक वेतन मिलेगा। विभागीय क्रमोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर विभाग के 61 शिक्षकों को नया उच्चत्तर क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृति के आदेश जारी किए गए हैं। जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त पीएन चतुर्वेदी ने बताया कि 61 शिक्षकों को उच्चत्तर क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृत किए गए हैं। शिक्षकों को सेवा प्रारंभ तिथि से 12 वर्ष, 24 वर्ष एवं 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृत किए जाने के लिए गठित समिति की अनुशंसा पर इस संबंध में आदेश दिए गए। शिक्षकों के उच्चतर वेतनमान स्वीकृति आदेश जारी कर संकुल प्राचार्यो/संबंधित विकासखण्ड अधिकारी कार्यालय को ई-मेल एवं हॉर्ड कॉपी में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि छूटे गए पात्र शिक्षकों के नाम उपलब्ध कराएं।

बोर्ड परीक्षा के लिए इस बार मशीन तय करेगी केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष का नाम

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षा में केंद्रों पर तैनाती को लेकर इस बार मनमानी नहीं चल पाएगी। मंडल ने तय किया है कि इस बार किसी परीक्षा केंद्र पर केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष कौन होगा, इसका फैसला अधिकारी नहीं, बल्कि मशीन करेगी।

10वीं व 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होने वाली है। इस बार परीक्षा में नकल पर रोक और प्रश्नपत्र को लीक होने बचाने के लिए बोर्ड ने नियमों में कई बदलाव किए हैं। एक बदलाव केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष की चयन प्रक्रिया में भी हुआ है। बताया जा रहा है कि

अब माशिमं द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति विकासखण्ड स्तर पर नही होगी।

योग्य लोगों की सूची तैयार होगी- अब केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष बनाने के योग्य लोगों की एक जिला स्तरीय सूची तैयार होगी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति इसका अनुमोदन कर देती है तो जिला शिक्षा अधिकारी इस सूची को जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भेजेंगे। वहां पहले से मौजूद केंद्रों की सूची के साथ इस सूची को भी विशेष सॉफ्टवेयर में डाला जाएगा।

सुविधाजनक केंद्र की जुगाड़- वह सॉफ्टवेयर रैंडम पद्धति से किसी शिक्षक का नाम जिले के किसी केंद्र के साथ केंद्राध्यक्ष या सहायक केंद्राध्यक्ष के तौर पर जोड़ देगा।